हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 190, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 9 जनवरी, 2024 दिन मंगलवार गाजीपुर/वाराणसी

सरकार गरीबों, महिलाओं, किसानों और युवाओं के भविष्य पर ध्यान दे रही : मोदी

'हमारी गारंटी की ये गाड़ी गांव-गांव जा रही', विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से बोले पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के लाभार्थियों से बातचीत की। कार्यक्रम में देश भर से विकसित भारत संकल्प यात्रा के हजारों लाभार्थी शामिल हुए थे। साथ ही केंद्रीय मंत्री, सांसद, विधायक और स्थानीय स्तर के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक आंध्र प्रदेश के नंदयाला के सैयद ख्वाजा मोहिद्दीन के साथ वर्चुअली बातचीत की। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के कनकेर की रहने वाली भूमिका से भी उन्होंने बात की। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'हम देश की एक बड़ी आबादी को रोजमर्रा की छोटी-छोटी जरूरतों के लिए होने वाले संघर्षों से बाहर निकालना चाहते हैं। इसलिए हमारी सरकार गरीबों, महिलाओं, किसानों और युवाओं के भविष्य पर ध्यान दे रही है। ये मेरी चार जातियां हैं। मेरी सबसे प्यारी जातियां। अगर यह जातियां मजबूत हो जाएंगी तो हिंदुस्तान का सशक्त होना पक्का है।' उन्होंने आगे कहा कि विकासशील भारत संकल्प यात्रा ने अभी दो से तीन दिन पहले ही अपनी यात्रा के 50 दिन पूरे किए हैं। इस यात्रा में 11 करोड़ लोग शामिल हुए हैं। सरकार खुद लोगों तक पहुंच रही है और उन्हें अपनी योजनाओं से जोड़ने की कोशिश कर रही है। विकासशील भारत संकल्प यात्रा देश की यात्रा बन गई है।

उन्होंने कहा कि समाज में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकार खुद पहुंच रही है, उसे अपनी योजनाओं से जोड़ रही है। विकसित भारत संकल्प यात्रा सिर्फ सरकार की नहीं बल्कि देश की यात्रा बन चुकी है। विकसित भारत संकल्प यात्रा का सबसे बड़ा मकसद है कि कोई भी हकदार सरकारी योजना के लाभ से छूटना नहीं चाहिए। कई बार जागरूकता की कमी से या दूसरे कारणों से कुछ लोग सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाते हैं। ऐसे लोगों तक पहुंचना हमारी सरकार अपना दायित्व समझती है। इसलिए मोदी की गारंटी की ये गाड़ी गांव-गांव जा रही है। उन्होंने कहा कि जबसे ये यात्रा शुरू हुई है, तबसे लगभग 12 लाख नए लाभार्थियों ने उज्ज्वला योजना के मुफ्त गैस कनेक्शन के लिए आवेदन किया है। कुछ दिन पहले मैं अयोध्या में उज्ज्वला की 10 करोड़वीं लाभार्थी बहन के घर गया था। विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान दो करोड़ से ज्यादा गरीबों के स्वास्थ्य की जांच हुई है। इसी समय में एक करोड़ लोगों की टीबी की बीमारी की भी जांच हुई है। 22 लाख लोगों की सिकल सेल एनीमिया की जांच हुई है। ये सारे लोग गांव, गरीब, दलित, पिछड़े और आदिवासी समाज के लोग हैं। पीएम मोदी ने कहा, 'मुझे खुशी है कि सरकार के इन प्रयासों का बहुत बड़ा लाभ हमारी करोड़ों माताओं बहनों को मिल रहा है। आज महिलाएं खुद आगे आकर नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। पहले ऐसी अनेक बहनें थीं, जिनके पास सिलाई, बुनाई, कढ़ाई जैसी कोई न कोई स्किल थी, लेकिन उनके पास अपना काम शुरू करने के लिए कोई साधन नहीं था। मुद्रा योजना ने उन्हें आने सपनें पूरे करने का भरोसा दिया है। आज गांव-गांव में रोजगार और स्वरोजगार के नए मौके बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश में किसानों और कृषि नीति को लेकर जो चचाएं होती हैं, पहले की सरकारों में उनका दायरा भी बहुत सीमित था। किसान के सशक्तिकरण की चर्चा सिर्फ पैदावार और उसकी उपज की बिक्री के इर्दगिर्द ही सीमित रही। जबकि किसान को अपने दैनिक जीवन में भांति-भांति की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए हमारी सरकार ने किसान की हर मुश्किल को आसान करने के लिए चौतरफा प्रयास किए। पीएम किसान सम्मान निधि के माध्यम से हर किसान को कम से कम 30 हजार रुपये दिए जा चुके हैं। मोदी ने आगे कहा, 'छोटे किसानों को मुसीबतों से बाहर निकालने के लिए हम निरंतर काम कर रहे हैं। कृषि में सहकारिता को बढ़ावा देना हमारी इसी सोच का परिणाम है।' बीते साल 15 नवंबर को लॉन्च होने के बाद से ऐसा पांचवीं बार हो रहा, जब पीएम मोदी विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से बातचीत कर रहे हैं। यात्रा की लॉन्चिंग के बाद से वे लगातार इन लाभार्थियों से बातचीत कर रहे हैं।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पीएम मोदी ने चार बार- 30 नवंबर, 9 दिसंबर, 16 दिसंबर और 27 दिसंबर को लाभार्थियों संग वार्ता की थी। वहीं, दिसंबर माह में पीएम मोदी ने अपनी वाराणसी यात्रा के दौरान लगातार दो दिन 17 और 18 दिसंबर को इन लाभार्थियों से भौतिक रूप से बातचीत की। विकसित भारत संकल्प यात्रा पूरे देश में सरकार की प्रमुख योजनाओं की संतृप्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जा रही है। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन योजनाओं का लाभ सभी लक्षित लाभार्थियों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे।

अखिलेश यादव का मायावती को जवाबः फ्लाईओवर से दिक्कत है तो केंद्र से मांग कर बुलडोजर से ढहवा दें

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि अगर सपा शासन में बसपा कार्यालय के सामने बने फ्लाईओवर से बसपा सुप्रीमो मायावती को खतरा है तो उन्हें इसे बुलडोजर से ढहा देने की मांग केंद्र सरकार से करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उस समय ट्रैफिक की जरूरत को देखते हुए हमने यह है फ्लाई ओवर बनवाया था। अखिलेश यादव ने मायावती ने उस बयान पर जवाब दिया है जिसमें उन्होंने कहा था कि बसपा कार्यालय के सामने बने फ्लाईओवर से उनकी सुरक्षा को खतरा है। उन्होंने प्रदेश सरकार से किसी अन्य स्थान पर कार्यालय के लिए जगह देने की मांग की है।

मायावती ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर दिए गए एक बयान में कहा है कि सपा सरकार में अनेकों दलित विरोधी फैसले लिए गए थे। बसपा यूपी स्टेट आफिस के पास ऊंचा पुल बनाने का कृत्य भी ऐसा ही है। जहां से षडयंत्रकारी अराजक तत्व पार्टी दफ्तर, कर्मचारियों व राष्ट्रीय प्रमुख को भी हानि पहुंचा सकते हैं। इस असुरक्षा को देखते हुए सुरक्षा सुझाव पर पार्टी प्रमुख को अब पार्टी की अधिकतर बैठकें अपने निवास पर करने को मजबूर होना पड़ रहा है जबकि पार्टी दफ्तर में होने वाली बड़ी बैठकों में पार्टी प्रमुख के पहुंचने पर वहां पुल पर सुरक्षाकर्मियों की अतिरिक्त तैनाती करनी पड़ती है। मायावती ने अपने बयान में अपनी असुरक्षा का जिक्र करते हुए यूपी सरकार से वर्तमान पार्टी प्रदेश कार्यालय के स्थान पर अन्यत्र सुरक्षित स्थान पर व्यवस्था करने का भी अनुरोध किया।

मायावती को इंडिया गठबंधन में शामिल करने की बात नहीं हुई- कांग्रेस के यूपी प्रभारी अविनाश पांडे के बसपा को गठबंधन में लाने के प्रयास संबंधी सवाल पर अखिलेश ने कहा कि इंडिया गठबंधन में कभी इस तरह की कोई बात नहीं हुई। अगर हुई होती तो उनकी जानकारी में भी होती। उन्होंने बिना नाम लिए पांडे पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा कई तरीके से विपक्षी गठबंधन को कमजोर करने के लिए अभियान चला रही है। इस तरह की बातें भाजपा की इस रणनीति का हिस्सा हो सकती हैं। अखिलेश ने कहा कि केंद्र की सत्ता इंडिया गठबंधन को मिलने पर किसानों का कर्ज माफ किया जाएगा।

आईआईटी बीएचयू की घटना पर 10 जनवरी को प्रदेश भर में प्रदर्शन करेगी कांग्रेस

लखनऊ। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने सोमवार को मीडिया से बातचीत में महिला, किसान और व्यापारियोंके मुद्दे पर प्रदेश सरकार को घेरा। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में आईआईटी बीएचयू की छात्रा के साथ दुष्कर्म की घटना हुई। दो माह बाद नाटकीय अंदाज में आरोपियों की गिरफ्तारी की गई। इन्हें मीडिया के सामने भी नहीं प्रस्तुत किया गया क्योंकि आरोपी भाजपा से जुड़े लोग थे। इन लोगों को गन बरामदगी के लिए रिमांड पर भी नहीं लिया गया। इसी तरह साक्षी मालिक के साथ अन्याय हुआ। अजय राय ने घोषणा की है कि इस मुद्दे पर 10 जनवरी को पूरे प्रदेश में कांग्रेस जिला मुख्यालय में धरना प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा महिला, किसान और व्यापारियों की विरोधी है। किसानों के गन्ना मूल्य के बकाए का भुगतान भी किया गया है। अभी तक नए सत्र का मूल्य भी नहीं घोषित किया गया है। कांग्रेस के समय में हर साल 20 रुपए कुंतल दाम बढ़ता था। इनके समय में एक बार भी मूल्य नहीं बढ़ा है। सरकार 100 रुपए कुंतल दाम बढ़ाए।

'भारत-चीन संबंध सामान्य होने की आशा, सुरक्षा का मुद्दा यूरेशिया के लिए भी अहम'; रूसी राजदूत का बयान

नई दिल्ली। रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में- थिंक टैंक- विवेकानंद इंटरनेशनल के एक कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय रिश्तों और राजनीतिक हालात पर बयान दिए। उन्होंने कहा कि एशिया की दो सबसे पुरानी सभ्यताओं में गिनी जाने वाली- भारत और चीन के आपसी संबंध जल्द सामान्य होंगे, रूस इसे लेकर आशान्वित है। उन्होंने यूरेशिया में सुरक्षा और चीन को लेकर पश्चिमी देशों की तरफ से होने वाली बयानबाजी को लेकर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भारत और चीन के पास अद्वितीय राजनीतिक ज्ञान और समझ है। दोनों बड़ी सभ्यताएं भी हैं। ऐसे में रूस को पूरी उम्मीद है कि दोनों देशों के बीच सीमा से जुड़े गतिरोध और विवाद का जल्द समाधान होगा। आपसी सम्मान और द्विपक्षीय संबंधों का ध्यान रखते हुए दोनों देशों का रिश्ता सामान्य होगा, और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के नए आयाम स्थापित होंगे, रूस को इस बात की पूरी आशा है। रूसी राजदूत के मुताबिक अविभाजित सुरक्षा का मुद्दा भी दोनों देशों के लिए अहम है। यूरेशिया के लिए भी सुरक्षा और शांति का मुद्दा बेहद अहम है। चीन की आड़ में पश्चिमी देश अशांति पैदा करने का प्रयास करते हैं। उन्हें पूरी उम्मीद है कि दोनों देशों का काबिल नेतृत्व टकराव को भुलाकर समावेशी बातचीत की पहल करेंगे। उन्हें पारस्परिक सामंजस्य की नीति अपनाए जाने की भी पूरी उम्मीद है।

घर में घुसकर बदमाशों ने मां और मासूम बेटी की हत्या, पति घायल

ललितपुर। उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले से सनसनीखेज खबर सामने आई है। यहां एक मकान को निशाना बनाते हुए बदमाश छत के रास्ते दाखिल हुए। बदमाशों ने मकान में मौजूद महिला और उसकी एक साल की बेटी की हत्या कर दी। जबकि उसके पति को घायल कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जानकारी के अनुसार, शहर के मोहल्ला चांदमारी में नकाबपोश बदमाशों ने रविवार रात करीब 1:30 बजे दुस्साहसिक वारदात को अंजाम दिया। एक रेलवे कर्मचारी के घर में धावा बोलकर धारदार हथियार से मां मनीषा (24) और एक वर्षीय बेटी की हत्या कर दी। पति नीरज कुशवाहा (27) को गंभीर रूप से घायल कर लूटपाट की। घायल नीरज को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी। एसपी मोहम्मद मुस्ताक ने अस्पताल पहुंचकर घायल नीरज से पूछताछ की। घटना के समय महिला अपनी मासूम बेटी के साथ वीडियो बना रही थी। शुरूआती जांच में सामने आया कि मां के सिर पर वार कर

हत्या की गई है, जबकि बेटी की गला दबाकर जान ली गई है। वहीं, जांच में यह भी सामने आ रहा है कि घर में न तो लूट की वारदात हुई न ही 12 घंटे से कोई घर में घुसा। एसपी का कहना है कि पति ने ही वारदात को अंजाम दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पीएम मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी पर गरमाया माहौल, मालदीव के उच्चायुक्त पहुंचे विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विवादित टिप्पणी को लेकर मामला तेजी से गरमाता जा रहा है। इस मामले को लेकर आज दिल्ली के साउथ ब्लॉक में स्थित भारतीय विदेश मंत्रालय ने मालदीव के उच्चायुक्त इब्राहिम साहिब को तलब किया है। इस मामले में रविवार को मालदीव सरकार ने तीन डिप्टी मंत्रियों को निलंबित कर दिया। ये तीनों ही मंत्रियों ने सोशल मीडिया पर पीएम मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की थी। इस मामले में मालदीव सरकार ने युवा मंत्री मालशा शरीफ, मरियम शिउना और अब्दुल्ला महजूम माजिद को निलंबित किया गया है। नई दिल्ली में एक आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि माले में भारतीय उच्चायुक्त ने रविवार को मालदीव के विदेश मंत्रालय के सामने इस मुद्दे को उठाया था। मालदीव के मंत्रियों द्वारा पीएम मोदी के खिलाफ विवादित टिप्पणियों की भारत में काफी आलोचना हुई है। वहीं कई मशहूर हस्तियों ने लोगों से मालदीव जाने के बजाय घरेलू पर्यटन स्थानों पर जाने का आग्रह किया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक पोस्ट में यह भी बताया गया कि इस मामले के कारण कई लोगों ने मालदीव की अपनी यात्रा रद्द कर दी है। दरअसल, दो जनवरी को पीएम मोदी ने केंद्रशासित प्रदेश लक्षद्वीप का दौरा किया था और इस दौरे की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर किए थे। उन्होंने स्नॉर्कलिंग पर हाथ आजमाने के अपने अनुभव को भी उल्लेख किया था। पीएम मोदी के इस पोस्ट पर लक्षद्वीप की मंत्री मरियम शिउमा ने भारत के प्रधानमंत्री पर अपमानजनक टिप्पणी के साथ उनका मजाक उड़ाया था। उनकी पोस्ट में पीएम मोदी की लक्षद्वीप दौरे की तस्वीरें भी थी। हालांकि, पीएम मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर, पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह और पूर्व विदेश मंत्री अब्दुल्ला शाहीद समेत मालदीव के कई अन्य नेताओं ने निंदा की है। विदेश मंत्री मूसा जमीर ने इस हरकत को अस्वीकार्य बताया है।

बिहार में पुलिसकर्मियों को जिंदा जलाने की कोशिश, आधी रात थाने में लगाई आग

दरभंगा। दरभंगा के मोरो थाने को कुछ असामाजिक तत्वों ने रविवार की रात आग लगा दिया। पुलिस वालों को थाने के अंदर ही जलाने की कोशिश की गई है। हालांकि, पुलिसकर्मियों की सजकता के कारण समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। असामाजिक तत्वों की करतूत सीसी कैमरा में कैद पाए गई है। सीसीटीवी फुटेज में एक बाइक भी दिखा है। सीसीटीवी फुटेज एक युवक डब्बे से कुछ ज्वलनशील पदार्थ छिड़कता हुआ नजर आ रहा है। इसकी भी जांच की जा रही है क्या? छिड़ककर आग लगा ने का प्रयास कर रहा है। घटना की सूचना मिलते ही सिटी एसपी सागर कुमार ने मौके पर पहुंचकर पूरे मामले की जांच की। थाना में लगे सीसी कैमरे के फुटेज का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। सीसी कैमरे में एक असामाजिक तत्व की तस्वीर कैद पाई गई है। उसका सत्यापन कराया जा रहा है। बहुत जल्द पूरे मामले का पदार्पाश कर दिया जाएगा। इस मामले की पुष्टि करते हुए सिटी एसपी सागर कुमार ने कहा कि घटना से सम्बंधित सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज एक युवक रात को 12.21 से 12.54 के बीच आग लगाते हुए नजर आ रहा है।

दोषियों की सजा माफी रद्द, सुप्रीम कोर्ट ने कहा- गुजरात सरकार का फैसला शक्ति का दुरुपयोग था

नई दिल्ली। बिलकिस बानो मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार के फैसले को पलटते हुए दोषियों की सजा माफी रद्द कर दी है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद दोषियों को अब फिर से जेल जाना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि जहां अपराधी के खिलाफ मुकदमा चला और सजा सुनाई गई, वही राज्य दोषियों की सजा माफी का फैसला कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा दोषियों की सजा माफी का फैसला गुजरात सरकार नहीं कर सकती बल्कि महाराष्ट्र सरकार इस पर फैसला करेगी। गौरतलब है कि बिलकिस बानो मामले की सुनवाई महाराष्ट्र में हुई। कोर्ट ने ये भी कहा कि दोषियों को रिहा करने का गुजरात सरकार का फैसला शक्ति का दुरुपयोग था। सुप्रीम कोर्ट ने सभी 11 दोषियों को अगले दो हफ्ते में जेल अथॉरिटी के सामने आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया है। बिलकिस बानो गैंगरेप के 11 दोषियों की सजा गुजरात सरकार ने माफ कर दी थी। गुजरात सरकार के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई, जिस पर सुप्रीम कोर्ट आज अपना फैसला सुनाया। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जवल भुइयां की पीठ ने मामले की सुनवाई

की और 12 अक्तूबर 2023 को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। गुजरात सरकार की माफी नीति के तहत साल 2022 में बिलकिस बानो से गैंगरेप और उसके परिवार के सात सदस्यों की हत्या के दोषियों की सजा माफ कर दी थी और उन्हें जेल से रिहा कर दिया था। हालांकि अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद दोषियों को फिर से जेल जाना होगा। इन दोषियों को सीबीआई की विशेष अदालत ने साल 2008 में उम्रकैद की सजा सुनाई थी, जिस पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने भी अपनी मुहर लगाई थी। उम्रकैद की सजा पाए दोषी को 14 साल जेल में ही बिताने होते हैं। उसके बाद अपराध की प्रकृति, जेल में व्यवहार और अन्य चीजों को ध्यान में रखते हुए सजा घटाने या रिहाई पर विचार किया जा सकता है। बिलकिस बानो गैंगरेप के दोषी जेल में 15 साल बिता चुके हैं। जिसके बाद दोषियों ने सजा में रियायत की गुहार लगाई थी। जिस पर गुजरात सरकार ने अपनी माफी नीति के तहत इन 11 दोषियों को जेल से रिहा कर दिया। गुजरात सरकार के इस फैसले के खिलाफ 30 नवंबर 2022 को सुप्रीम कोर्ट में दो याचिकाएं दायर की गईं। पहली याचिका में दोषियों की रिहाई को चुनौती देते हुए उन्हें वापस जेल भेजने की मांग की गई थी। वहीं दूसरी याचिका में सुप्रीम कोर्ट के मई में दिए गए आदेश पर पुनर्विचार की मांग की गई थी, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि दोषियों की रिहाई का फैसला गुजरात सरकार करेगी। याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान केंद्र और गुजरात सरकार ने दोषियों की रिहाई के फैसले का बचाव किया था और कहा कि दोषियों ने दुर्लभतम अपराध नहीं किया है और उन्हें सुधार का एक मौका दिया जाना चाहिए। इस पर कोर्ट ने सवाल किया कि रिहाई में छूट का फायदा सिर्फ बिलकिस बानो के दोषियों को क्यों दिया गया?

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में बड़ा हमला, विस्फोट में 5 पुलिसकर्मियों की मौत, कई घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में सोमवार को हुए एक शक्तिशाली बम विस्फोट में पांच पुलिसकर्मियों की मौत हो गई है। धमाके में 20 से ज्यादा लोगों के घायल होने की भी खबर है। हमला पुलिस प्रोटेक्शन टीम को निशाना बनाकर किया गया था। हमला उस वक्त किया गया, जब बाजौर जिले में एंटी पोलियो अभियान में ड्यूटी पर लगी पुलिस टीम को ट्रक में ले जाया जा रहा था। इसी दौरान आईईडी धमाके में पांच पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। घायलों को बाजौर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में कई की हालत गंभीर है। जिस जगह पुलिस टीम को निशाना बनाया गया, वह बाजौर का मामुंद इलाका है और यह इलाका अफगानिस्तान की सीमा से सटा हुआ है। साल 2021 में जब से अफगानिस्तान में तालिबान का शासन आया है, तब से पाकिस्तान में अफगानिस्तान से सटी इस सीमा पर हमले बढ़ गए हैं। इस हमले की जिम्मेदारी अभी तक किसी आतंकी संगठन ने नहीं ली है, लेकिन इससे पहले भी पोलियो वैक्सीनेशन अभियान पर पाकिस्तान तालिबान ने कई हमले किए हैं। ऐसे में ताजा मामले में भी पाकिस्तान तालिबान की संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में रविवार को भी एक आतंकी हमले में चार लोगों की मौत हो गई थी। दरअसल अज्ञात बंदूकधारियों ने दो वाहनों पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं थी। यह हमला पाराचिनार से पेशावर के रास्ते पर हुआ। अभी तक इस हमले की किसी आतंकी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में साल 2023 में 419 आतंकी हमले हुए, जिनमें 620 लोग मारे गए। मरने वालों में 306 सुरक्षाकर्मी, 222 आम नागरिक और 92 आतंकी शामिल थे।

संपादकीय

सूर्य की दहलीज पे दस्तक

भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिक हाल के दिनों में आसमानी सफलता की नयी इबारत लिख रहे हैं। पिछले वर्ष अगस्त में चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के एक सप्ताह के भीतर ही भारत ने सूरज विषयक नया ज्ञान जुटाने के लिये आदित्य एल-1 मिशन शुरू किया था। हर भारतीय के लिये गर्व की बात है कि पृथ्वी से लगभग पंद्रह लाख किमी दूर आदित्य अपने लक्ष्य तक सफलतापूर्वक पहुंच गया है। जो बताता है कि कैसे इसरो के वैज्ञानिक बेहद जटिल व मुश्किलों से भरे अभियानों को सहजता से तार्किक परिणति दे रहे हैं। भारतीय वैज्ञानिकों की बड़ी उपलब्धि यह भी है कि तमाम सफलताएं इतनी कम लागत में हासिल की गई हैं कि पूरी दुनिया दांतों तले उंगली दबा लेती है। इस तरह भारत विज्ञान की उन सीमाओं को विस्तार दे रहा है जो कालांतर शेष दुनिया के लिये कल्याणकारी साबित होंगी। शुरूआती संकेत बता रहे हैं कि मिशन के सभी अवयव सुचारू रूप से अपना काम कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि आदित्य अगले पांच वर्षों तक शोध व अनुसंधान के कार्यों के जरिये मानवता के कल्याण के लिये नई जानकारी जुटाएगा। इस मिशन की सफलता ने उन संभावनाओं को भी गति दी है, जो भविष्य में अन्य ग्रहों में शोध-अनुसंधान के लिये मार्ग प्रशस्त कर सकती हैं। इस तरह पहले सूर्य मिशन में भारत ने अंतरिक्ष में सूर्य की निगरानी करने वाली ऑब्जर्वेटरी स्थापित कर दी है। दरअसल, लैंगरैंज प्वाइंट तक पहुंचा आदित्य एल-1 धरती के इस करीबी ग्रह में होने वाली विभिन्न प्रक्रियाओं का अध्ययन, अंतरिक्ष के मौसम व सौर प्रवाह के धरती पर पड़ने वाले प्रभावों के विश्लेषण का मार्ग प्रशस्त करेगा। बीते साल दो सितंबर को प्रक्षेपित किए गए सूर्य मिशन का लक्षित कक्षा में सफलतापूर्वक पहुंचना हमारे वैज्ञानिकों की मेधा व सटीक योजना का ही परिणाम है। उल्लेखनीय है कि जिस बिंदु पर आदित्य को पहुंचाया गया है वहां सूरज व धरती का गुरुत्वाकर्षण बल संतुलित होता है, जिसके चलते अंतरिक्ष यान को कम ईंधन की जरूरत होती है। वह कम ईंधन में अधिक समय तक वैज्ञानिक शोध-अनुसंधान कर सकता है। दरअसल, आदित्य यान में मौजूद सात पेलोड्स सूर्य की बाहरी परत, ऊर्जा और अंतरिक्ष में होने वाली अन्य गतिविधियों का अध्ययन करेंगे। साथ ही उन कारकों की पड़ताल जो धरती व अंतरिक्ष के मौसम को प्रभावित करते हैं। दरअसल, सौर प्रवाह के चलते धरती पर कई तरह की वैज्ञानिक घटनाएं सामने आती हैं। जिसमें इलेक्ट्रोमैग्नेटिक विचलन की तार्किकता भी है। अब वैज्ञानिक सूर्य के विकिरण तथा धरती पर उसके प्रभावों के बारे में भी अधिक जानकारी जुटा पाएंगे। निश्चित रूप से आदित्य मिशन की सफलता से भारतीय वैज्ञानिकों के सूर्य को लेकर ज्ञान में वृद्धि होगी। जो कालांतर मानवता के कल्याण और अंतरिक्ष से आसन्न खतरों से बचाव का मार्ग दिखाने में सहायक होगा। विश्वास किया जाना चाहिए कि साढ़े चार करोड़ डॉलर बजट वाले इस आदित्य मिशन से भविष्य में देश को भरपूर लाभ मिल सकेगा।

आ जाओ मैदान!

ना छुप कर अब बैठो ।
आ जाओ मैदान ।।
छवि इमानदार की ।
ना बनो नादान ।।
खाई थी कसम ।
स्वच्छ रहने वाला ।
रहे फिर क्यों भाग ?
है ना यदि घोटाला ।।
फिर क्यों ये तमाशा ।
और खेलते खेल ।।
ढूंढ़ रहे हैं अफसर ।
लो बढ़ा कुछ मेल ।।
कह रहा जनमानस ।
आपके हम साथ ।।
तज डालो यह भय ।
अनुभव क्यों अनाथ ।।

–कृष्णेन्द्र राय

भारत का टाइम आने वाला है, हिंदुस्तान अब दो कदम आगे बढ़कर नेतृत्व करेगा

हर्ष वी. पंत

नए साल में हम एक ऐसी विश्व व्यवस्था देख रहे हैं जिसे राजनीतिक, आर्थिक और कूटनीतिक तौर पर पुनर्गठित किया गया है। पिछले कुछ वर्षों से जो रुझान सतह के नीचे थे, वे अपनी पूरी जटिलता के साथ खुलकर सामने आ गए हैं। इनसे उपजी चुनौतियों से निपटना मौजूदा ढांचे और संस्थानों के लिए मुश्किल होता जा रहा है। दरअसल अंतरराष्ट्रीय संबंधों के केंद्र में एक बौद्धिक शून्य है जिसे एक शब्द के बार-बार इस्तेमाल से भरा जा रहा है। वह है- ह्यडिसरप्शनह्ल। जिस चीज को भी दुनिया समझ नहीं पाती या स्वीकार नहीं कर पाती, उसे डिसरप्शन करार दिया जाता है।

सच यह है कि दुनिया बदलते शक्ति संतुलन, असाधारण तकनीकी प्रगति और संस्थानों की गिरावट के कारण आ रहे मूलभूत बदलावों से जूझ रही है। यह प्रक्रिया कोविड-19 महामारी, यूरेशिया तथा मध्य पूर्व में युद्धों के कारण और तेज हो गई है। इससे महंगाई का दबाव, भोजन और ऊर्जा का संकट तथा व्यापक आर्थिक मंदी के हालात दिख रहे हैं। तमाम देश अपने नागरिकों की बुनियादी जरूरतें पूरी करने के लिए बेतहाशा खर्च कर रहे हैं और हम सतत विकास लक्ष्यों से दूर खड़े हैं। वैश्विक प्रतिस्पर्धा के केंद्रीय क्षेत्र हिंद-प्रशांत में भारत के सामने भी कई चुनौतियां आ खड़ी हुई हैं। इनमें बड़ी शक्तियों की आपसी प्रतिद्वंद्विता, संघर्ष, आर्थिक संकट, डी-ग्लोबलाइजेशन और जलवायु परिवर्तन से जुड़ी घटनाएं शामिल हैं। हालांकि, इनमें से हर चुनौती भारत के लिए अवसर भी है। इन चुनौतियों से सही ढंग से निपटते हुए और अवसरों का उचित इस्तेमाल करके भारत विश्व व्यवस्था में अपनी हैसियत बढ़ाकर कई तरह के अहम सामरिक लाभ हासिल कर सकता है।

पिछले साल की बात करें तो भारत ने आत्मविश्वास के साथ वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभाई। जी-20 की अध्यक्षता ने नई दिल्ली को कोविड-19 महामारी के साये से उबरती दुनिया में वैश्विक सहयोग के अजेंडे को आकार देने का मौका दिया। जी-20 मंच इस मायने में खास है कि यह विकसित और विकासशील देशों को एक साथ लाकर उन्हें ग्लोबल गवर्नेंस की राह में आ रही चुनौतियों पर चर्चा करने और उनके हल तलाशने का मौका देता है। नई दिल्ली ने ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं को आवाज देने के लिए इसका बेहतरीन इस्तेमाल किया। वह भी ऐसे समय में जब कई बड़ी ताकतें अपनी घरेलू समस्याओं से इस कदर घिरी हैं कि उनके पास कमजोर देशों की मदद करने के लिए न तो समय है और न संसाधन। भारी अशांति और उथल पुथल के इस दौर में महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय जमावड़े की मेजबानी करते हुए तमाम ग्लोबल स्टेकहोल्डर्स के बीच आम सहमति बनाकर नई दिल्ली ने बड़ा सोचने और बड़े नतीजे देने की अपनी तैयारी का संकेत दिया, जिसकी दुनिया लंबे समय से भारत से उम्मीद कर रही थी।

यह न केवल प्रमुख वैश्विक गठबंधनों और बहुपक्षीय गठबंधनों में भाग लेकर, बल्कि नए गठबंधन बनाते हुए बड़ी वैश्विक भूमिका निभाने, और इस तरह जलवायु परिवर्तन, टिकाऊ विकास, वैश्विक स्वास्थ्य और शांति सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने की भारत की इच्छा के अनुरूप है। एक जिम्मेदार ग्लोबल स्टेकहोल्डर के तौर पर प्राकृतिक आपदाओं या संघर्षों के दौरान सबसे पहले प्रतिक्रिया देना भारत के वैश्विक प्रोफाइल को बढ़ाने में मददगार साबित हुआ है। हर बात पर ना कहने वाले से देश से ग्लोबल गवर्नेंस में जिम्मेदारी निभाने को तैयार देश बनने की यात्रा भारतीय विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण ट्रेंड रहा है। 2023 में वर्ष दिखाई देने वाली दूसरी प्रवृत्ति थी अपनी महत्वपूर्ण साझेदारियों को लगातार संतुलित रखने की भारत की क्षमता। चुनौतियों के बावजूद प्रमुख ग्लोबल ताकतों के साथ नई दिल्ली के संबंध आगे बढ़ते रहे। यूक्रेन युद्ध ने पश्चिम के साथ भारत के संबंधों में कोई दरार पैदा नहीं की। हालांकि जब युद्ध शुरू हुआ था तब इसकी आशंका जताई जा रही थी। इसके उलट, ये रिश्ते और मजबूत होते रहे। सिख अलगाववादी नेता और अमेरिकी नागरिक गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश से जुड़े आरोपों के बावजूद भारत-अमेरिका संबंधों में गति बनी रही। क्वाड्रिलैटरल सिक्यॉरिटी डायलॉग झ क्वाड झ का दोबारा उभर आना साफ इशारा है कि भारत और अमेरिका उभरती वास्तविकताओं के आधार पर एक नई साझेदारी शुरू करने के इच्छुक हैं। इसके साथ ही भारत रूस के साथ अपने करीबी रक्षा और सामरिक संबंध बनाए रखने में भी कामयाब रहा। बीते वर्ष भारत की बाहरी भागीदारी का एक और पहलू इस बात का बढ़ता अहसास रहा कि महत्वपूर्ण क्षेत्रों में घरेलू क्षमता निर्माण का कोई विकल्प नहीं है। केवल एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत ही चीन की बढ़ती आक्रामकता का मुकाबला कर सकता है। यदि कोविड-19 ने भारत को महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे में आत्मनिर्भरता की आवश्यकता को लेकर सचेत किया, तो रूस-यूक्रेन युद्ध ने उसे रक्षा आपूर्ति के लिए दूसरों पर अति निर्भरता के खतरों से आगाह किया।

2023 में भारत का रक्षा निर्यात 15,920 करोड़ रुपये तक पहुंच गया जो 2016-17 के रक्षा निर्यात (1,521 करोड़ रुपये) के 10 गुने से भी ज्यादा है। देश के बढ़ते सैन्य-औद्योगिक क्षेत्र के लिए तो यह एक उपलब्धि है ही, सरकार की आत्मनिर्भरता मुहिम के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। यही नहीं आर्थिक मोर्चे पर इससे समान सोच वाले देशों के साथ ठोस व्यापारिक साझेदारी की संभावना और मजबूत हुई है। मौजूदा विश्व व्यवस्था और भारत दोनों के लिए यह एक अहम मोड़ है। भारत एक बड़ी उपलब्धि की दहलीज पर खड़ा है। न केवल अगली पांत की एक ऐसी आर्थिक शक्ति के रूप में जो एक बहुसांस्कृतिक लोकतंत्र भी है, बल्कि एक ऐसे जियो पॉलिटिकल प्लेयर के तौर पर भी, जो केवल संतुलन ही नहीं बनाता, नेतृत्व भी करता है। अगले कुछ वर्षों में नई दिल्ली जो फैसले करेगी, उनसे ही इस उत्कर्ष की रूपरेखा तय होगी।

पुलिस को अब दंड के बजाय डाटा के साथ काम करने की जरूरत, समय की मांग

वैश्विक स्तरपर हर देश में वहां की आंतरिक कानून व्यवस्था, सुरक्षा, हर नागरिक को सुरक्षा की गारंटी वहां की पुलिस द्वारा प्रदान करने में जी तोड़ मेहनत की जाती है,जो उनका कर्तव्य भी है और नागरिकों का मौलिक अधिकार भी है,परंतु अक्सर हम देखते हैं कि आम नागरिक जिन तीन कोट से अक्सर दूर की सलामी चाहता है उसमें से एक खाकी कोट भी शामिल है,आज करीब करीब हर देश में एक आम नागरिक पोलिस से दूर रहना चाहता है, किसी झमेले में नहीं पढ़ना चाहता यही कारण है कि अनेक घटनाओं में गवाह नहीं मिलते या एन वक्त पर जब कोर्ट में केस टेबल पर आता है तो वे होस्टाइल हो जाते हैं और यही कारण है कि अपराध और सजा का रेशियो बहुत गिरा हुआ है। याने अधिकतम अपराधी छूट जाते हैं। दूसरा मेरा मानना है कि आम नागरिकों के बीच पुलिस की हरे गुलाबी की छवि, याने पुलिस के झमेले में आए और इतने हरे गुलाबी का फटका लगा, यह मानसिकता की सोच आज बदलने की जरूरत है। चूंकि राजस्थान के जयपुर में 5-7 जनवरी 2024 को 58 वां अखिल भारतीय पुलिस डीजी/आईजी सम्मेलन का सफलता पूर्वक समाप्ति हुआ,जिसको माननीय पीएम ने आज 7जनवरी 2024 को संबोधित किया जिसमें अनेक महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिए जिसकी चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे, वहीं केंद्रीय गृहमंत्री राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने भी मार्गदर्शन किया अनेक मुद्दों पर विचार विमर्श हुआ जिसमें आतंकवाद,तीन नए आपराधिक कानूनों का क्रियान्वयन व प्रशिक्षण, साइबर अपराध, महिला सुरक्षा 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए भारतीय पुलिस की आधुनिक और विश्वासस्तरीय बल में बदलना सहित अनेक प्रकार का मार्गदर्शन,व्यापार विचार विमर्श किया गया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे पुलिस को दंड के बजाय डाटा के साथ काम करने की जरूर और तीन नए आपराधिक कानून को, सजा के बजाए न्याय देने की मंशा के दूरगामी सकारात्मक परिणाम मिलेगा।

साथियों बात अगर हम 5 जनवरी 2024 को शुरू हुए इस सम्मेलन की करें तो,तीन दिवसीय सम्मेलन में जिन प्रमुख विषयों पर चर्चा की गई, उनमें तीन नये आपराधिक कानूनों का कार्यान्वयन, खालिस्तान समर्थक समूहों की गतिविधियां और जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमला समेत कई मुद्दे शामिल हैं। एक अधिकारी ने मीडिया में कहा कि आमचुनाव से जुड़े मुद्दे, साइबर अपराध, माओवादी समस्या और अंतरराज्यीय पुलिस समन्वय समेत कई अन्य प्रमुख विषय हैं, जिन पर बैठक के दौरान चर्चा हुई है। डीजी-आईजी रैंक के 250 करीब अधिकारी शामिल हुए। जबकि करीब अन्य 200 से अधिक के भी इसमें भाग लिए है। गृह मंत्रालय के अधिकारी ने मीडिया में कहा कि कई अधिकारियों को आतंकवाद का निरोध, ऑनलाइन धोखाधड़ी, जम्मू-कश्मीर में सीमा पार से आतंकवाद, खालिस्तान समर्थक समूहों की गतिविधियां और वामपंथी उग्रवाद जैसे विशिष्ट विषयों पर प्रस्तुतियां देने की जिम्मेदारी सौंपी गई थीं। इन सभी उभरती आंतरिक सुरक्षाचुनौतियों का सामना कैसे किया जाए, इस पर विस्तृत विचार विमर्श किया। इसके अलावा, सम्मेलन में पुलिसिंग और सुरक्षा से जुड़े भविष्य के विषयों जैसे कृत्रिम मेधा (एआई), डीपफेक आदि जैसी नई प्रौद्योगिकियों से उत्पन्न चुनौतियों और उनसे निपटने के तरीकों पर भी विचार-विमर्श किया। पीएमओ ने कहा कि सम्मेलन मूर्त कार्य बिंदुओं की पहचान करने और उनकी प्रगति की निगरानी करने का अवसर भी प्रदान करता है, जिसे हर साल पीएम के समक्ष भी प्रस्तुत किया जाता है।यहसम्मेलन चिह्नित विषयों पर जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर के पुलिस और खुफिया अधिकारियों के साथ व्यापक विचार-विमर्श का समापन है। सम्मेलन में प्रत्येक वर्ष की तरह राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों की सर्वश्रेष्ठ परंपराओं को प्रस्तुत किया गया ताकि राज्य एक-दूसरे से सीख सकें।

साथियों बातें अगर हम 5-7 जनवरी 2024को 58 वें सम्मेलन से पहले हुए सम्मेलनों की करें तो, इससे पहले पीएम ने 2014 से देश के हर क्षेत्र में डीजीपी सम्मेलनों के आयोजन को भी प्रोत्साहित किया है, साल 2014 में इसका आयोजन गुवाहाटी में, 2015 में कच्छ के रण, 2016 में राष्ट्रीय पुलिस अकादमी,हैदराबाद 2017 में टेकनपुर (मध्य प्रदेश), 2018 में केवडिया (गुजरात), 2019 में पुणे, 2021 में लखनऊ में और 2023 में दिल्ली में आयोजित हुआ था।इस परंपरा को जारी रखते हुए इस वर्ष जयपुर में सम्मेलन का आयोजन किया गया था।

साथियों बात अगर हम 5 जनवरी 2024 को केंद्रीय गृहमंत्री द्वारा 58 वें सम्मेलन के उद्घाटन की करें तो उन्होंने उद्घाटन सत्र में केंद्र सरकार के दो महत्वपूर्ण निर्णयों, राष्ट्रीय शिक्षा नीति और औपनिवेशिक कानूनों को बदले जाने की प्रशंसा की। तीन नए आपराधिक कानूनों पर कहा कि नए कानून सजा के बजाय न्याय देने पर केंद्रित हैं और इन कानूनों से आपराधिक न्याय प्रणाली आधुनिक और वैज्ञानिक हो जाएगी। उन्होंने 2014 के बाद से देश में सुरक्षा परिदृश्य में समग्र सुधार की ओर इशारा किया। कहा, जम्मू- कश्मीर, पूर्वोत्तर व वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में हिंसा में कमी आई है। सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए डाटाबेस को जोड़ने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) संचालित विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने देश में आतंकवाद विरोधी तंत्र के ढांचे और कौशल में एकरूपता को जरूरी बताया और नए कानूनों के सफल कार्यान्वयन के लिए अधिकारियों के प्रशिक्षण की बात कही। पुलिस मुख्यालय और थाने आधुनिक तकनीक से लैस हों, तीन नए कानूनों के सफल कार्यान्वयन के लिए स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) या पुलिस स्टेशन के प्रभारीअधिकारी से लेकर डीजीपी स्तर तक के पुलिस अधिकारियों के प्रशिक्षण और थानों से लेकर पुलिस मुख्यालय तक को तकनीक से लैस करने की आवश्यकता पर बल दिया। देश की सेवा में प्राण न्योछावर करने वाले सुरक्षा बलों के जवानों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने आईबी अफसरों को सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक दिए और तीन सर्वश्रेष्ठ पुलिस थानों के लिए ट्रॉफी प्रदान की। दुनिया भर में आंतक सबसे बड़ा मुद्दा है।भारत आतंकी गतिविधियां के लिहाज से काफी ज्यादा गंभीर है। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों का सबसे अधिक खतरा है। आतंकी खतरे के साथ-साथ खालिस्तानी गुट की बढ़ती गतिविधियां भी चिंता का विषय है।

साथियों बात अगर हम 7 जनवरी 2024 को देर शाम माननीय पीएम द्वारा सम्मेलन को संबोधन करने की करें तो, रविवार को जयपुर में इन बड़े अधिकारियों से कहा कि पुलिस को अब डंडा के साथ काम करने के बजाय डेटा के साथ काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए, भारतीय पुलिस को खुद को एक आधुनिक और विश्व स्तरीय पुलिस बल में बदलने पर जोर देना होगा। नए प्रमुख आपराधिक कानूनों का अधिनियमन आपराधिक न्याय प्रणाली में एक आदर्श बदलाव है। नए आपराधिक कानून नागरिक पहले, गरिमा पहले और न्याय पहले की भावना से बनाए गए हैं। पीएम ने इशके साथ-साथ पुलिस से महिला सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करने को कहा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महिलाएं निडर होकर कभी भी और कहीं भी काम कर सकें।

अयोध्या धाम में भव्य तैयारी - देखते रह जाएगी दुनियां सारी

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियां की नजरें 22 जनवरी 2024 को होने वाले अयोध्या धाम में प्रभु श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की भव्यता पर लगी हुई है। अयोध्या के भव्य राम मंदिर के उद्घाटन की तारीख जैसे जैसे पास आ रही है वैसे ही देश से लेकर विदेशों तक से भगवान राम के भक्तजन उनके लिए कुछ न कुछ करते दिखाई दे रहे हैं।बता दें कि 22 जनवरी को राम मंदिर में रामलला विराजमान होने वाले हैं, ऐसे में रामजी की ससुराल से कोई उपहार ना आए ऐसा कैसे हो सकता है ?आज पूरी दुनियां उत्सुकता के साथ 22 जनवरी के ऐतिहासिक क्षण का इंतजार कर रही है। ऐसे में अयोध्यावासियों में अति उत्साह स्वाभिक है। पीएम ने भी कहा था,भारत की मिट्टी के कण-कण और भारत के जन-जन का मैं भी पुजारी हूं और मैं भी आपकी तरह ही उत्साहित हूं। अयोध्या का कायाकल्प ले रहा रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डे का मूर्त रूप लेना, सड़कों का चौड़ीकरण राम लला मार्ग पर एक सी सज्जा वाले सड़के के दोनों तरफ दिखने वाले भवन, सज रहे घाट और विशाल परिसर में तैयार हो रहा राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र। इसे देखने के लिए अभी से श्रद्धालुओं की संख्या में भारी उत्साह है।यह उत्साह अब हुनमान गढ़ी में बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या से लेकर राम लला विराजमान परिसर तक देखने में आ रही है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए युद्ध स्तरपर तैयारी चल रही है। प्रस्तावित राम मंदिर निर्माण क्षेत्र में गुंबद आदि के निर्माण कार्य से लेकर चबूतरा और अन्य परिसर को तेजी से तैयार किया जा रहा है। हालांकि माना जा रहा है कि मंदिर में भगवान की प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद अभी इसे जनता के दर्शन के लिए नहीं खोला जाएगा। क्योंकि अभी निर्माण के काफी काम बाकी है। हां, व्यवस्था के तौर पर पुजारी हर रोज भगवान की सेवा, देख भाल, भोग-राग करते रहेंगे।

साथिया बात अगर हम भारत सहित पूरी दुनियां का माहौल राममय होने की करें तो,अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन में अब केवल कुछ ही दिन बचे हैं। इस खास मौके के इंतजार में देशभर का माहौल राममय होता जा रहा है। 22 जनवरी को मंदिर के उद्घाटन की तैयारियां की जा रही हैं। पीएम मंदिर के उद्घाटन के साथ ही प्रभु श्रीराम की प्रतिमा के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होंगे। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने समारोह में 7,000 से अधिक लोगों को आमंत्रित किया है। चूंकि करीब 500 वर्षों के इंतजार के बाद सरयू से सुप्रीम कोर्ट तक चले संघर्ष का परिणाम सबके सामने है, जो सत्यमेव जयते का प्रतीक है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, अयोध्या धाम,रघुपति राघव राजा राम, अयोध्या धाम में भव्य तैयारी, देखते रह जाएगी दुनियां सारी।

साथियों बात अगर हम अयोध्या में 6 जनवरी 2024 को प्रभु श्री राम के ससुराल पक्ष के घर नेपाल से सनेश याने भार, उपहार आने की करें तो, अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन की तैयारी चल रही है। 22 जनवरी

को भगवान रामलला भव्य मंदिर में विराजमान हो जाएंगे। प्राण प्रतिष्ठा से पहले भगवान राम की ससुराल से खास उपहार अयोध्या आए हैं। उपहार में फल, मिष्ठान, सोना-चांदी, वस्त्र शामिल है. नेपाल के जनकपुर से लोग भार लेकर अयोध्या आए हैं। वधू पक्ष की ओर भेजे जानेवाले उपहार को भार कहा जाता है। भार में गृह प्रवेश के समय इस्तेमाल की जानेवाली सामग्री होती है। माता जानकी के मंदिर से निकली भार यात्रा शनिवार सुबह कारसेवकपुरम पहुंची. लगभग 700 लोग टोली के साथ अयोध्या पहुंचकर उपहार को समर्पित किया। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव ने प्रेस में बताया कि नेपाल और भारत का संबंध त्रेता युग है त्रेता युग के अवधि की जानकारी विद्वानों को है, मैं इतना जानता हूं कि राम जिस काल में पैदा हुए, जानकी का जिस काल में जन्म हुआ, राजा दशरथ और राजा जनक का काल त्रेता युग है। जनकपुर से चारों भाई विवाह बाद आए संतों से पूछकर जानकारी हासिल की जा सकती है। विवाह में लड़की वाले लड़के वाले को भेंट देते हैं। मिथिला में उसी को भार कहा जाता है। भार का मतलब एक लाठी या एक डंडा होता है। शनिवार की सुबह 4 बजे कन्या पक्ष वाले वर पक्ष के लिए भार लेकर आये। मेरी लाचारी है कि मुझे स्वीकार करना पड़ा, वैसे स्वीकार तो साधु संतों को करना चाहिए था, भगवान के प्रसाद रूप में सब उपयोग हो जाएगा। भगवान राम की ससुसराल यानी जनकपुर से सनेश या फिर कहे कि भार भेजा गया है। ये उपहार वधूपक्ष की ओर से भेजें गए हैं. जिसमें सभी जरूरी वस्तुओं को शामिल किया गया है। सनेश में खाने का सभी सामान और ड्राइ फ्रूट शामिल है. इसके साथ भगवान के भार में चांदी के बरतन,सोने के आभूषण और तरह-तरह के गहने जेवर भेजे गए हैं।साथ ही भगवान के द्वारा अपने स्वयंवर में तोड़े गए धनुष का सांकेतिक स्वरूप भी चांदी के आकार का भेंट किया गया है। सोने की खड़ाऊं ,मिथिला का पान और मछली, हर कुछ रामलला के सनेश में लाया गया है। बता दें कि जनकपुर धाम नेपाल से जो लोग सनेश लेकर आए हैं उनका स्वागत अयोध्यावासियों ने जमकर किया।लोगों की आरती उतारी गई साथ ही फूल मालाओं के साथ खूब जोरदार स्वागत किया गया। साथियों बात अगर हम माननीय पीएम के अनुष्ठान में शामिल होने की करें तो, मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पीएम 22 जनवरी को व्रत रखेंगे। बताया जा रहा है कि यह व्रत राम मंदिर से जुड़े अनुष्ठान में शामिल होने के लिए रखा जाएगा। 22 जनवरी को मंदिर में मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा मंत्रोच्चार के साथ की जाएगी। पीएम उस दिन सुबह 11 बजे से दोपहर के बीच वहां प्रारंभिक पूजा करेंगे। यह पहली बार नहीं है कि पीएम व्रत रखेंगे। इससे पहले 5 अगस्त 2020 को जब राम मंदिर का भूमि पूजन समारोह हुआ था तो उस समय भी पीएम ने व्रत रखा था। 500 साल से भी अधिक समय के बाद भगवान राम मंदिर में विराजमान होंगे। ऐसे में इस ऐतिहासिक घटना का गवाह बनने के लिए पीएम मोदी के साथ कई गणमान्य लोग मौजूद होंगे। आम लोगों के लिए यह मंदिर 26 जनवरी से खुलेगा। साथियों बात अगर हम अयोध्या में प्रभु श्री राम मंदिर को जानने की करें तो, राम जन्मभूमि क्षेत्र में 2.7 एकड़ में राम मंदिर बन रहा है। ये तीन मंजिला होगा और इसकी ऊंचाई 162 फीट होगी। मंदिर निर्माण के लिए राजस्थान से नक्काशीदार पत्थर लाए गए हैं। मंदिर के चारों ओर आठ एक-ड़ की परिधि में 48 फीट ऊंची प्राचीर भी बनाई जा रही है।

मंदिर परिसर में राम मंदिर के अलावा छह और मंदिर बनाए जा रहे हैं। सिंह द्वार से राम मंदिर में प्रवेश करने से पहले पूर्वी दिशा में एक मुख्य द्वार होगा, जहां से श्रद्धालु परिसर में आएंगे। मुख्य द्वार के बगल में ही निकास द्वार भी बनाया जा रहा है। इसके अलावा एक सुरंग भी बन रही है, जहां से भी भक्त आ और जा सकेंगे। प्राण प्रतिष्ठा से पहले परिसर का मुख्य द्वार बन जाएगा।मंदिर का मुख्य प्रवेश द्वार सिंह द्वार होगा। राम मंदिर में कुल 392 पिलर होंगे। गर्भगृह में 160 और ऊपरी तल में 132 खंभे होंगे। मंदिर में 12 द्वार होंगे। इन्हें सागौन की लकड़ी से बनाया जा रहा है। सिंह द्वार के जरिए जैसे ही मंदिर में प्रवेश करेंगे, सामने आपको नृत्य मंडप, रंग मंडप और गूढ़ मंडप भी दिखेगा। मंदिर परिसर में सूर्य देवता, भगवान विष्णु और पंचदेव मंदिर भी बन रहा है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि अयोध्या धाम - रघुपति राघव राजा राम।अयोध्या धाम में भव्य तैयारी - देखते रह जाएगी दुनियां सारी।करीब 500 वर्षों के इंतजार के बाद सरयू से सुप्रीम कोर्ट तक चले संघर्ष का परिणाम - सत्यमेव जयते।

डाक कर्मचारी संघ "ग्रुप सी" का 40वाँ द्विवार्षिक मण्डलीय अधिवेशन का आयोजन

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। डाक कर्मचारी संघ "ग्रुप सी" का 40 वाँ द्विवार्षिक मण्डलीय अधिवेशन का आयोजन महात्मा बुद्ध कि पावन भूमि सारनाथ के "टूरिस्ट बंगला" प्रांगण में सदानंद जी के अध्यक्षता में संपन्न हुआ` विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. बेनी प्रसाद माधव(राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त) प्रधानाचार्य महाबोधि इंटर कॉलेज तथा मुख्य अतिथि के रूप में अरविन्द सिंह, संजय धर दुबे, सुभाष शाह, सीताराम यादव, रणजीत सिंह तथा गुरुदत्त गुप्ता उपस्थित रहे` कार्यक्रम का संचालन जे.पी. सिंह के द्वारा किया गया` कार्यक्रम में संरक्षक जगदीश चन्द्र शादेजा की देखरेख में सर्वसम्मति से नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया जो इस प्रकार से है :-

अध्यक्ष - रामरतन पाण्डेय (एस.पी.एम. सारनाथ)
उपाध्यक्ष -
1-सदानंद (एस.पी.एम. दुगार्कुण्ड)
2-हरिश्चन्द्र मिश्रा (एस.पी.एम. केदारघाट)
3-गिरीश यादव (एस.पी.एम. जैतपुरा)
4-विकास राय (एस.पी.एम. बी.एच.यू. हॉस्पिटल)
मण्डलीय सचिव - चरन सिंह (प्रधान डाकघर)
सहायक मंत्री -
1-मनीष पाण्डेय (प्रधान डाकघर)
2-हरिशंकर यादव (एस.पी.एम. रमापुरा)
3-शनि गुप्ता (बंगाली टोला)
4-अतुल मौर्या (एस.पी.एम. काशी विश्वनाथ मंदिर)
कोषाध्यक्ष - राकेश चंद किरण (एस.पी.एम. लंका)
सहायक कोषाध्यक्ष - अजय यादव (एस.पी.एम.मालवीय नगर)
संगठन मंत्री -
1-हिमांशु शेखर चौबे (प्रधान डाकघर)
2-प्रभाकर सिंह (एस.पी.एम. चकिया)
3-काशीनाथ तिवारी (एस.पी.एम. पटेल नगर)
ऑडिटर - सुनीता पाण्डेय (एस.पी.एम. विजय सिरोही नगर)
क्षेत्रीय प्रतिनिधि -
1-सुशील कुमार सिंह (चोलापुर क्षेत्र)
2-दिनेश तिवारी (पं दि.द.ऊ.नगर क्षेत्र)
3- नीरज कुमार (चन्दौली क्षेत्र)
संरक्षक - जगदीश चंद्र सडेजा (एस.पी.एम. काशी आर.एस.)

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनिहारी पर सेवानिवृत्त एएनएम सविता चौबे का हुआ विदाई समारोह

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनिहारी पर तैनात एएनएम सविता चौबे जो 31 दिसंबर को अपने नौकरी के कार्य अवधि को पूरा करते हुए सेवानिवृत हुई। उनका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर सोमवार को भव्य तरीके से विदाई समारोह का आयोजन अधीक्षक डॉ धर्मेंद्र कुमार की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस अवसर पर संबंधित कर्मियों ने सविता चौबे के कार्यकाल के दौरान किए गए बेहतर कार्य की सराहना किया। बीपीएम धीरज विश्वकर्मा ने बताया कि सविता चौबे जो नियमित टीकाकरण के साथ ही साथ विभागीय कार्यों को पूरी तत्परता से निभाते हुए सेवानिवृत हुई है। साथ ही उन्होंने बताया कि कोविड-19 के दौरान जिस तरह से महामारी चली हुई थी । और टीकाकरण का कार्य जोरो पर था। ऐसे वक्त में सविता चौबे ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। जिसे विभाग कभी भुला नहीं पाएगा। इस कार्यक्रम में अधीक्षक डॉ धर्मेंद्र कुमार और अन्य सभी कर्मचारियों की तरफ से सविता चौबे का विधिवत विदाई समारोह किया गया। जिसमें उन्हें रामचरितमानस ,छड़ी वह अन्य उपहार दिए गए। इस अवसर पर विपिन तिवारी, बीसीपीएम विजय बहादुर, अनुराग चौबे, जेपी यादव, रंजू देवी उपस्थिति रही। वहीं कार्यक्रम का संचालन लल्लन राम के द्वारा किया गया।

संक्षिप्त खबरें

डीएम एसपी ने जिला जेल का किया औचक निरीक्षण, मचा हड़कंप

प्रखर जौनपुर। जिलाधिकारी अनुज कुमार झा एवं पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा द्वारा मासिक निरीक्षण के तहत जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बैरको की तलाशी पुलिस फोर्स व अधिकारियों के द्वारा ली गई। निरीक्षण के दौरान कोई भी आपत्तिजनक चीज नहीं मिली। अधिकारियों के द्वारा जेल अस्पताल में जाकर बंदियों से उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। जिलाधिकारी ने जेल अधीक्षक एस के पांडे को निर्देशित किया कि समय-समय पर बंदियों के स्वास्थ्य की जांच कराई जाए। उन्होंने जेल में भर्ती कैदियों से वार्ता भी किया इसके उपरांत अधिकारियों के द्वारा पाकशाला में जाकर खाने की गुणवत्ता के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। इस अवसर पर संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बज्मे शाम-ए-अवध के बैनर तले नशिस्त और काव्य गोष्ठी का हुआ आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बज्मे शाम - ए - अवध के बैनर तले मदर कॉन्वेंट स्कूल मुहम्मदबाद में शेरी नशिस्त और काव्य गोष्ठी का अयोजन किया गया। जिसमें डिप्टी लेबर कमिश्नर शमीम अख़्तर बतौर मुख्य अतिथि मौजूद थे। नशिस्त में सैफी सलेमपुरी, सरफराज आसी यूसुफपुरी, अहकम गाजीपुर, डॉ एस जफर असलम, सरवर मुहम्मदाबादी , चंचल यूसुफपुरी, आकिब सलेमपुरी , दानिश दौलताबादी, समीर मुहम्मदाबादी और मानसी शर्मा ने अपने कलाम सुनाकर श्रोताओं की वाहवाही लूटी। नशिस्त और काव्य गोष्ठी की सदारत की जिम्मेदारी नपाप मुहम्मदाबाद के चेयरमैन जनाब रईस अंसारी ने की और निजामत की ज़िम्मेदारी सरवर मुहम्मदाबादी व डॉ वसीम अख़्तर ने निभाई। इस मौके पर मुख्य अतिथि जनाब शमीम अख़्तर ने शेर व अदब से संबंध रखने वाली शख्सियतों के सामाजिक सुरक्षा की बात कही। उन्होंने बताया कि जीवन में अवसर बेहद जरूरी चीज है। पुरानी पीढ़ी के लोगों का दायित्व है कि वे नई पीढ़ी के बच्चों को आगे बढ़ाने में उनके लिए नए अवसरों के सृजनकर्ता की भूमिका निभाएं। अध्यक्षता कर रहे चेयरमैन रईस अंसारी ने भरोसा दिलाया कि साहित्यक आयोजनों में उनसे जो बन पड़ेगा वो करेंगे। इस अवसर पर सुमन यूसुफपुरी के काव्य संग्रह ' निकहत' का विमोचन भी हुआ। अंत में सभी शायरों और कवियों को मुख्य अतिथि के हाथों शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभासद ममशाद अंसारी, डॉ शाहनवाज सिद्दीकी, जय सियाराम ऐडवोकेट, राम विलास यादव, मोती प्रधान, सगीर अहमद, नगीना कुशवाहा, महानंद , रेयाज अहमद, इंतजार अंसारी, शेषनाथ राय एडवोकेट, चंद्र प्रकाश विमल, शमीम अख़्तर एलआईसी, मुमताज अहमद, रामदेव यादव, महताब आलम, नसीम अख्तर, इस्लाहुद्दीन सिद्दीकी, शैलेन्द्र चौरसिया, अशरफ अली, जे पी राय, रुस्तम अंसारी, एजाज अंसारी, जमाल अख़्तर, नय्यर, नवाज, अल्ताफ और जैद के अलावा सैकड़ों की तादाद में श्रोता मौजूद रहे।

हाफिज कप क्रिकेट प्रतियोगिता पर भीमापार का हुआ कब्जा का हुआ नीरज पल्हना बने मैन आफ द मैच

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सैदपुर तहसील अन्तर्गत मखदुमपुर मे हाफिज कप 16 वें संस्करण बाबा मखदुमशाह क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला गहनी बनाम कमाल भीमापार के बीच संपन्न हुआ, शानदार प्रदर्शन के बदौलत भीमापार ने दस ओवर के खेल में 154 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 1 गेंद शेष रहते खिताब पर कब्जा जमाया। नीरज पल्हना मैन ऑफ द टूनार्मेंट चुने गए। इस टूनार्मेंट के समापनकर्ता अल्हाज अब्दुल माजिद साहब अध्यक्षः हाफिज फाउण्डेशन,बहरियाबाद नितेश सिंह भोनु युवा नेता-समाजवादी पार्टी,ए. बी. आमिर सेक्रेटरी- हाफिज फाउण्डेशन बहरियाबाद, डॉ सलमान रहें। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मखदुमपुर मुजीब अहमद ने आए हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। अंपायर की भूमिका निसार व तारिक सोनू तथा कॉमेंटेटर की भूमिका में रेहान फजल और राजू मालिक रहे। आयोजन कर्ता जुबैर अंसारी, महताब अंसारी, इरफान अंसारी तथा अफरोज अंसारी ने सभी दर्शकों को धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम का समापन किया।

प्रबुद्ध सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता करायी गयी

जौनपुर। बाबा द्वारिका दास हरि महाविद्यालय सारी जहांगीर पट्टी एवं एसएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी द्वारा रविवार को प्रबुद्ध सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता मंच आयोजित कराई गई। इस प्रतियोगिता में क्षेत्र के 25 विद्यालयों के कक्षा 6 से इंटरमीडिएट तक के करीब 2000 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। डा. सूर्यभान यादव ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं आयोजित होने से छात्र-छात्राओं के बौद्धिक स्तर का विकास होगा। बच्चों में सामान्य ज्ञान का स्तर ऊंचा होगा। यूपीएससी जैसी तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयारी में आसानी होगी। आगे चलकर यही मेधावी छात्र-छात्राएं सिविल सेवा, इंजीनियरिंग, चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में बड़े-बड़े महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं देकर विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करेंगे। आज के युवा ही कल के श्रेष्ठ नागरिक बनकर श्रेष्ठ भारत का निर्माण करेंगे। प्राचार्य कुंवर सिंह यादव ने बताया कि यह सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता उन छात्र-छात्राओं के लिए महत्वपूर्ण है।

राम निवास सिंह यादव बने सामाजवादी पार्टी अधिवक्ता सभा के प्रदेश सचिव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश सिंह यादव के निदेर्शानुसार प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने ग्राम टिकापुर, पोस्ट-मुंडेरा, विधानसभा मुहम्मदाबाद, जिला गाजीपुर निवासी वरिष्ठ अधिवक्ता रामनिवास सिंह यादव को समाजवादी पार्टी अधिवक्ता सभा का प्रदेश सचिव बनाये जाने पर सिविल कोर्ट मुहम्मदाबाद में अधिवक्ता बन्धुओं द्वारा गर्म जोशी से माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। उक्त अवसर पर रामनिवास यादव एडवोकेट ने महात्मा गाँधी के मूर्ति पर माल्यार्पण करने के उपरान्त कहा कि हम अपने अधिवक्ता बन्धुओं के किसी भी प्रकार के समस्या के समाधान के लिए उनके वास्तविक माँगों के लिए हर समय तैयार रहुँगा। उक्त अवसर पर सिविल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रभूनाथ राम समेत बार के सभी पदाधिकारीगण के अलावा वरिष्ठ अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

कलश यात्रा निकाली गयी

जौनपुर। गायत्री प्रज्ञा महिला मंडल जज कॉलोनी से जल कलश शोभा यात्रा रविवार को निकाली गयी । कलष यात्रा शहर के प्रमुख मार्ग रोडवेज, जेसीज चैराहा, ओलंदगंज से होते हुए सद्भावना पुल स्थित दुर्गा मंदिर पहुँची । जहां से आदि गंगा गोमती का पावन जल लेकर महिलाएं सर पर कलश धारण कर पुनरू सद्भावना पुल, जोगियापुर होते हुए प्रज्ञा मंडल गायत्री भक्ति पीठ जज कॉलोनी पर पहुंच कर समाप्त हो गई जज कॉलोनी में 07, 08, 09, 10 जनवरी तक चलने वाली कार्यक्रम में 9 कुंडीय गायत्री महायज्ञ, संस्कार महोत्सव, संगीत प्रवचन, प्रज्ञा पुराण कथा का आयोजन होगा।

आम लोगों को प्रेरणा दे रहे धीरू पाण्डेय के संघर्ष

प्रखर गोरखपुर। प्रखर पूर्वांचल टीम से बातचीत में नयी रोशनी वेलफेयर फाउंडेशन के सह संस्थापक राजेश ऊर्फ धीरू पाण्डेय का इंटरव्यू लिया गया तो पता चला की बारह साल से दिल्ली रहते है उनका पढ़ाई भी वही हुआ वहा पर उनका खुद का कपड़े का ब्यापार था लेकिन जब भी वो अपने घर गोरखपुर आते थे कुछ दिनों के लिए तो देखते थे यहाँ पर रोड एक्सीडेंट मे लोग इंसानों को नहीं मदद करते है तो बेजुबान का कौन करता होगा मगर जब जितने दिन के लिए आते है वो लोगो की सेवा करते थे बहुत सोचने के बाद उन्होंने गोरखपुर के लिए कुछ करने को सोचा फिर वो दिल्ली का सारा काम छोड़ गोरखपुर रहने का सोचा और यहाँ के लोगो की सेवा की जाये चाहे वो बेजुबान क्यू ना हो लेकिन लोगो की सेवा करते उनका खुद का गाड़ी जमीन बिक गया फिर भी वो हार नहीं माने बहुत लोगो ने मना किया लेकिन

उनको अपने गोरखपुर से एक अलग लगाव था उसके बाद स्कूल कॉलेज के बच्चे गाँव के प्रधान गोरखपुर की पुलिस नेता लोग इनका काम देख के आगे आये और बहुत सारे गरीबो का सहारा बन धीरू पाण्डेय ने इंसानों के साथ साथ बहुत सारे बेजुबानो की भी जान बचाते है फ्री मे खाना कम्बल इलाज और ब्लड सभी तरह से गरीबो के लिए अपना जीवन समर्पित कर चुके है उनका ये मानना है आज नहीं तो कल सब अच्छा होगा अगर मै पीछे हट गया पैसा कमाने के लिए तो बहुत सारे इंसान बेजुबान बेसहारा हो जायेंगे बीते 6 महीने मे 100 से ज्यादा बेजुबानो की जान बचा चुके है उनका एक ही मकसद है की बेजुबानो का एक घर बनाना है ताकि वो अपने पास उनको रख सके और वो सपना भी पूरा होगा जल्दी क्यू की बात करने के दौरान उन्होंने बोला की गोरखपुर के लोग बहुत ही सपोर्ट और प्यार करते है इस फाउंडेशन को तो वो सपना भी जल्दी पूरा हो जायेगा।

युवा कल्याण अधिकारी पर लगा भ्रष्टाचार का आरोप पीड़ित व्यक्ति ने डीएम से की शिकायत

प्रखर संतकबीरनगर। जिला युवा कल्याण कार्यालय संत कबीर नगर में तैनात लोकसेवकणों के विरूद्ध भ्रष्टाचार का मुकदमा दर्ज करने के लिए गंगाराम गुप्ता नामक व्यक्ति ने जिला अधिकारी को पत्र लिखकर न्याय की गुहार लगाई है भानू प्रताप पुत्र रामयश निवासी ग्राम-परशुराम, संत कबीर नगर का आरोप है की हमारे द्वारा मांगी गयी जन सूचना अधिकार अधिनियम-2005 के माध्यम से सूचना में प्राप्त सूचना कि 10 दिवसीय 13 अदद, 15 दिवसीय 98 अदद तथा 22 दिवसीय-237 पी०आर०डी० जवानों प्रशिक्षण प्राप्त जवान हैं इस प्रकार कुल 348 प्रशिक्षण प्राप्त जवान थे एवं 413 व्यक्तियों का डाटा लाक करवाया है तथा 162 डाटा फीडिंग अवशेष हैं। इस प्रकार कुल 575 अदद हो गये हैं। जबकि 2012 के बाद कोई न तो प्रशिक्षण हुए और न ही नियुक्ति हेतु शासनादेश जारी है। इनके सूचना से ही स्पष्ट है कि बिना नियुक्ति शासनादेश के ही बिना विज्ञापन के ही कूट रचती

दस्तावेज तैयार करके जैसे-ट्रेनिंग कार्ड, जू०हा० मार्कसीट तैयार कर-के,जो व्यक्ति इण्टर, बी०ए०, एम०ए० पास हैं जिसमें अण्डर ऐज थे को फर्जी रिकार्ड तैयार करके मोटी रकम लेकर पूर्व जिला युवा कल्याण अधिकारी विनय कुमार चतुवेर्दी, पूर्व जिला युवा कल्याण अधिकारी श्री अरूण कुमार पाण्डेय, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी / बी०ओ० श्री मुकेश गुप्ता, श्रीमती अराधना द्विवेदी, अस्थायी लिपिक श्री गोरख प्रसाद, उप निदेशक श्री अजय कुमार त्रिवेदी ने मिलीभगत करके फर्जी तरीके से नियुक्ति किया है इन लोकसेवकगणों के विरूद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने की अनुमति दिया जाना आवश्यक एवं न्यायोचित है। अतः महोदय से विनम्र प्रार्थना है कि उपरोक्तानुसार मेरे पत्र का संज्ञान लेते हुए उचित कार्रवाई करने की कृपा करें हालांकि इस मामले में प्रशासनिक अधिकारी ने पत्रावली लेकर जांच कर उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। वही इस पूरे प्रकरण को लेकर प्रशासनिक अधिकारी रमेश चंद्र बताया कि शिकायत कर्ता के द्वारा लिखित शिकायत पत्र मिला है इस पूरे प्रकरण की जांच कर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी अगर जो भी लोग भ्रष्टाचार में नियुक्त होंगे उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पुनः बनेगी पूर्ण बहुमत की सरकारः राष्ट्रीय सचिव

जौनपुर। अपना दल एस के जिला कार्यालय वाजिदपुर में रविवार को मासिक बैठक हुई बैठक का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पप्पू माली ने डॉ0 भीमराव अंबेडकर, सरदार पटेल व डॉ.सोनेलाल पटेल के चित्र पर माल्यार्पण करके किया। बैठक में नवनियुक्त जिलाध्यक्ष शिव नायक पटेल का राष्ट्रीय सचिव पप्पू माली, पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। राष्ट्रीय सचिव ने कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव पार्टी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। एनडीए गठबंधन और पार्टी के लिए निर्धारित सीट से शत प्रतिशत सीट जीत कर पार्टी गठबंधन के खाते में सीट देगी। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2024 में पुनः पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी। उत्तर प्रदेश की जनता अनुप्रिया पटेल को मुख्यमंत्री के नए चेहरे के रूप में देख रहा है। जिलाध्यक्ष ने पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से लोकसभा चुनाव की तैयारी में पूरी ताकत के साथ जुट जाने का आह्वान किया।

एमएलसी आशुतोष सिन्हा का प्रयास लाया रंग, अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू किए जाने हेतु सुझाव समिति हुई गठित

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। उ0प्र0 के अधिवक्ताओं की सुरक्षा हेतु अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट लागू कराये जाने एवं अन्य समस्याओं के समाधान के सम्बन्ध में सपा एमएलसी आशुतोष सिन्हा का प्रयास आखिरकार सफल होता दिख रहा है उन्होंने उ0प्र0 विधान परिषद की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमावली के नियम- 115 के अन्तर्गत पिछले सत्र में सदन में इसकी मांग की थी जिस पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के द्वारा पत्र लिखकर उन्हें सूचित किया गया कि न्याय विभाग के कार्यालय ज्ञाप संख्या-6/2023/सी0एस0 49/सात-न्याय-7-2023 दिनांक 19 सितम्बर 2023 द्वारा प्रदेश में एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किये जाने के संबंध में अध्ययन कर सुझाव एवं ड्राफ्ट का प्रारूप उपलब्ध कराये जाने हेतु एक उच्च स्तरीय समिति प्रमुख सचिव, विधायी विभाग, उ0प्र0 शासन की अध्यक्षता में गठित की गयी है जिसमें अपर महानिदेशक, अभियोजन, सदस्य एवं उ0प्र0 राज्य विधिज्ञ परिषद, प्रयागराज द्वारा नामित प्रतिनिधि

सदस्य हैं उक्त समिति एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श कर अपना मत स्थिर करते हुए अपने सुझाव / संस्तुति राज्य विधि आयोग उ0प्र0 को विचारार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रस्तुत करेगी प्रकरणगत उक्त समिति की बैठक 8 जनवरी 2024 को आहूत की गयी है ज्ञात हो कि अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट की मांग पूरे प्रदेश के अधिवक्ताओं के द्वारा निरंतर की जा रही है जिसके लिए सपा एमएलसी आशुतोष सिन्हा के द्वारा कई बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पत्राचार भी किया गया तथा इस प्रकरण को सदन में भी उठाया गया था।

बुढ़ापे की लाठी का सहारा पुरानी पेंशन बहाली के लिए किया भूख उपवास

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। पूरे देश का कर्मचारी पुरानी पेंशन की बहाली को लेकर विगत 10 वर्षों से आंदोलनरत है पुरानी पेंशन में कर्मचारियों के 60 वर्ष की अधिवक्ता आयु पूरी होने पर सेवानिवृत्ति के फलस्वरुप आधे वेतन की राशि पेंशन के रूप में स्वीकृत की जाती रही है परंतु नई पेंशन योजना में वह सुविधाएं नहीं प्राप्त हो रही है जो पुरानी पेंशन में प्राप्त होती रही है` नई पेंशन योजना से कर्मचारियों को बहुत ही आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है उक्त बातें 8 जनवरी सोमवार को कैण्ट स्टेशन वाराणसी पर आयोजित भूख उपवास में शशिकान्त श्रीवास्तव जिलाध्यक्ष राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, जिला संयोजक पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मंच ने कहा और बताया कि भारत सरकार के जनवरी 2004 और उत्तर प्रदेश सरकार के अप्रैल 2005 से नियुक्त कर्मचारी जो अब सेवानिवृत हो रहे हैं उन्हें नई पेंशन

योजना लागू की गई है` सेवानिवृत के फलस्वरूप पांच हजार भी पेंशन नहीं प्राप्त हो पा रहा है इस कारण कर्मचारी पुरानी पेंशन को बुढ़ापे के लाठी का सहारा मानते हुए आन्दोलन के आखिरी चरण हड़ताल के पूर्व भूख उपवास कार्यक्रम के माध्यम से केन्द्र व राज्य सरकार का ध्यान आकृष्ट किया जो 11 जनवरी तक प्रातः दस बजें से सायं पांच बजे तक चलेगा दिवाकर द्विवेदी मण्डल अध्यक्ष ने बताया कि भूख उपवास कार्यक्रम 9 जनवरी मंगलवार को डीआरएम कार्यालय लहरतारा पुल के नीचे सम्पन्न होगा` भूख उपवास कार्यक्रम में सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा कि नई पेंशन योजना कहीं से अच्छादित नहीं है इसलिए पुरानी पेंशन व्यवस्था तत्काल लागू होना चाहिए` सुनील कुमार सिंह संयोजक मण्डल सचिव नार्दन रेलवे मेंस यूनियन ने कहा कि सभी श्रमिक संगठनों द्वारा हड़ताल की घोषणा के अलावा कोई चारा नहीं रह गया है जिसके लिए 96 प्रतिशत कर्मचारियों ने हड़ताल के समर्थन में सहमति पत्र दिया जा चुका है` इस अवसर पर सर्वश्री सुनील कुमार सिंह मण्डल सचिव नार्दन रेलवे मेंस यूनियन, दिवाकर द्विवेदी मण्डल अध्यक्ष, दीपेन्द्र कुमार श्रीवास्तव मण्डल मन्त्री, शशिकान्त श्रीवास्तव संयोजक एवं जिलाध्यक्ष राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद , सुरेन्द्र कुमार यादव, जिलाध्यक्ष,विजय नाथ तिवारी जिला मंत्री गाजीपुर, अश्विनी श्रीवास्तव जिला मंत्री चन्दौली,देवेश यादव जिला मंत्री, सुभाष सिंह,महेश श्रीवास्तव,एन बी सिंह, सचिव एन ई आर, कन्हैया सिंह, चन्द्रशेखर सिंह, राजकुमार, शाखा मंत्री सतीश कुमार, अध्यक्ष प्रेम कुमार चौधरी, सहायक शाखा मंत्री विवेक रघुवंशी, सहायक शाखा मंत्री रूपनाथ झा, उपाध्यक्ष चंद्रजीत सर्वजीत ,कोषाध्यक्ष सरोज यादव , उपाध्यक्ष विवेक कुमार सिंह ,माध्यमिक शिक्षा अवधेश सिंह, मण्डल मंत्री जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ शैलेंद्र विक्रम सिंह, मंत्री प्राथमिक शिक्षक संघ राकेश पाठक, जटाशंकर यादव , अध्यक्ष अखिलेश पांडे ,राम तीरथ यादव ,कमलेश सिंह, अध्यक्ष माध्यमिक शिक्षक संघ प्रमोद कुमार एवं प्रमुख वक्ता ई.राजनाथ सिंह,प्रकाश श्रीवास्तव,शशिकांत सिंह, अवधेश पांडेय, हरेंद्र यादव, अमित सिंह,जय प्रकाश पाण्डेय, अवध नारायण पाण्डेय, जिला मंत्री पेंशनर्स कल्याण संस्था,ई अखिलेश चौहान क्षेत्रीय मंत्री पी डब्लू डी डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ, मनोज चौहान, बृजेश सोनकर सहित इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

अमेरिकी व्यवसायी ने नारायण मूर्ति को बक्से पर सुलाया था

नई दिल्ली (भाषा)। इंफोसिस के शुरुआती दिनों में जब नारायण मूर्ति एक बार किसी काम के सिलसिले में अमेरिका गए थे तो एक तुनकमिजाज़ के अमेरिकी व्यवसायी ने उन्हें अपने घर के भंडार कक्ष में एक बड़े बक्से पर सुलाया था, जबकि उनके घर में चार शयनकक्ष थे। भारतीय-अमेरिकी लेखिका चित्रा बनर्जी दिवाकरुणी ने सुधा मूर्ति और नारायण मूर्ति के जीवन के शुरुआती वर्षों के बारे में बताते हुए एक पुस्तक लिखी है। इस पुस्तक में उनके बारे में ऐसी और भी कई बातें बताई गई हैं। जगरनॉट बुक्स द्वारा प्रकाशित 'एन अनकॉमन लवः द अर्ली लाइफ ऑफ सुधा एंड नारायण मूर्ति' में मूर्ति दंपति के शुरुआती वर्षों के बारे में बताया गया है, जिसमें उनके प्रेमालाप से लेकर 'इंफोसिस' की स्थापना के वर्षों तक और उनकी शादी से लेकर माता-पिता बनने तक की कहानी है। न्यूयॉर्क स्थित कंपनी 'डेटा बेसिक्स कॉरपोरेशन' के प्रमुख डॉन लिल्स एक तेज-मिजाज वाले क्लाइंट (ग्राहक) थे और वह मूर्ति को ज्यादा पसंद नहीं करते थे।

किताब में लिखा गया, 'वह अक्सर सेवा के बदले में भुगतान करने में देरी करते थे और इस बात को लेकर मूर्ति उनके गुस्से का निशाना बन जाते थे, वह अपनी बात पर अड़े रहते थे और सेवाओं के लिए समय पर भुगतान करने से इनकार कर देते थे। जब मूर्ति और उनके इंफोसिस सहयोगियों को मैनहट्टन में उनसे मिलने जाना होता था तो डॉन उन्हें होटल बुक करने के लिए समय पर अनुमति नहीं देते थे।'

यह भी लिखा गया, 'एक बार जब मूर्ति क्लाइंट के काम के लिए अमेरिका गए तो डॉन ने उन्हें भंडार कक्ष में एक बड़े बक्से पर सुलाया, जबकि उनके घर में चार शयनकक्ष थे। इसके अलावा, डॉन ने अंतिम समय पर कई मांग रखी, जिन्हें मूर्ति को पूरा करना पड़ा।' मूर्ति ने अपनी नयी कंपनी के खातिर डॉन के इस व्यवहार को सहन किया, लेकिन बक्से पर सुलाने वाली घटना ने वास्तव में मूर्ति को झकझोर दिया।उन्होंने पत्नी सुधा को बताया, 'मेरी मां कहा करती थीं कि मेहमान भगवान के समान होता है और आप जिस तरह मेहमानों के साथ व्यवहार करते हैं उससे पता चलता है कि आप वास्तव में किस तरह के इंसान हैं।' उन्होंने पत्नी को कहा, 'जब मेरे पिता जब बिना सूचना के किसी को घर पर आमंत्रित करते थे तो वह (मां) अक्सर मेहमान को अपने हाथ से बना खाना परोसती थीं और खुद बिना खाना खाए ही सो जाती थीं और डॉन यहां मुझे बिना खिड़की वाले भंडार कक्ष में एक बड़े बक्से पर सुलाकर खुद अपने बिस्तर पर नींद का आनंद ले रहा था।'पुस्तक में यह भी उल्लेख किया गया कि कैसे एक अच्छी इंजीनियर होने के बावजूद मूर्ति अपनी पत्नी के इन्फोसिस में शामिल होने के खिलाफ थे। पुस्तक में इसी तरह के कई अन्य बातें भी बताई गई हैं।

'ठीक होने में समय लगेगा' : उर्वशी

मुंबई (आईएएनएस)। अभिनेत्री उर्वशी ढोलकिया ने अपनी गर्दन में ट्यूमर की सर्जरी करा ली है। इसको लेकर उन्होंने एक हेल्थ अपडेट शेयर की है। उन्होंने कहा है कि ठीक होने में अभी लंबा रास्ता तय करना है। हालांकि, वह घर वापसी का इंतजार कर रही है। उर्वशी ने इंस्टाग्राम पर एक रील शेयर की, जिसमें वह उस डॉक्टर के साथ दिखाई दे रही हैं, जिन्होंने उनका इलाज किया था। उन्होंने रील में एक और वीडियो शेयर करते हुए लिखा, डॉक्टरों की सलाह के अनुसार मैं ज्यादा बात नहीं कर सकती। आखिरकार ड्रेनेज पाइप और आईवी लाइन हट चुकी है। अब मैं घर जाना चाहती हूं। अभिनेत्री को लंबे समय से चल रहे टेलीविजन शो 'कसौटी जिंदगी की' में प्रतिष्ठित खलनायिका कोमोलिका के साथ बड़ा स्टारडम मिला। इसके बाद उन्होंने 'कहां तो होगा', 'इश्क में मरजावां' और अन्य में काम किया। हाल ही में उन्हें सेलिब्रिटी डांस रियलिटी शो 'झलक दिखला जा 11' में प्रतियोगी के रूप में देखा गया था। उन्होंने 'पुष्पा इम्पॉसिबल' में देवी सिंह शेखावत की भूमिका अदा की है।

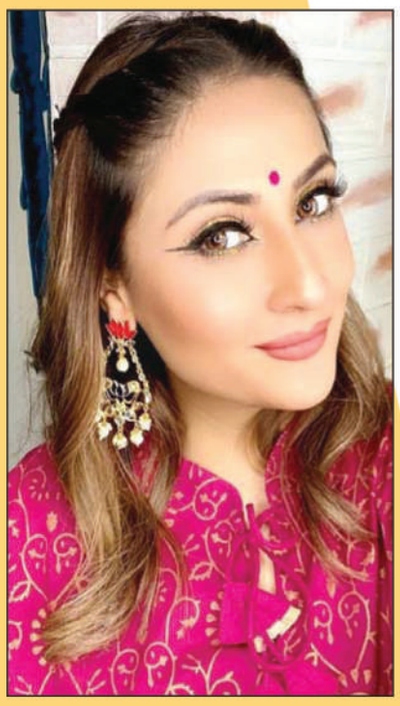

SOCIAL MEDIA पर 7 घंटे रोज बिता रहे भारतीय युवा

■ नई दिल्ली (आईएएनएस)।

युवाओं के सोशल मीडिया उपयोग पर भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रोहतक द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि एक पुरुष का औसत स्क्रीन टाइम 6 घंटे 45 मिनट है, जबकि एक महिला का औसत स्क्रीन टाइम 7 घंटे 5 मिनट है। अध्ययन से यह भी पता चला कि लगभग 60.66 प्रतिशत युवा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं, जिसका सबसे अधिक उपयोग शाम को होता है। सबसे अधिक दर्शक संख्या - 50 प्रतिशत से अधिक - मनोरंजन से संबंधित सामग्री की है। आईआईएम के मुताबिक, पिछले दशक में दुनिया भर में स्मार्टफोन और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।

किफायती डेटा प्लान और बढ़ती इंटरनेट सुविधाओं के साथ देश में बड़ी संख्या में युवा डिजिटल मीडिया की ओर रुख कर रहे हैं। इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म आभासी सार्वजनिक स्थान बन गए हैं, इसके माध्यम से युवा अपने विचारों और अनुभवों का आदान-प्रदान करते हैं। जहां एक ओर ये प्लेटफॉर्म कनेक्टिविटी प्रदान करते हैं, वहीं दूसरी ओर ये स्क्रीन टाइम बढ़ाने में भी योगदान देते हैं। इंस्टाग्राम पर ट्रेंड फॉलो करने से लेकर यूट्यूब पर कंटेंट देखने तक, सोशल मीडिया के कारण युवाओं का स्क्रीन टाइम काफी बढ़ गया है। यह अध्ययन अक्टूबर-नवम्बर 2023 के दौरान आईआईएम-रोहतक के शोधकर्ताओं की एक टीम द्वारा आयोजित किया गया था।

■ पता चला कि लगभग 60.66 प्रतिशत युवा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं, जिसका सबसे अधिक उपयोग शाम को होता है

■ सबसे अधिक दर्शक संख्या - 50 प्रतिशत से अधिक - मनोरंजन से संबंधित सामग्री की है

इसके लिए 18 से 25 वर्ष की आयु के 38,896 युवाओं से डेटा एकत्र किया गया था। आईआईएम-रोहतक के निदेशक प्रोफेसर धीरज शर्मा ने कहा कि अध्ययन में विभिन्न क्षेत्रों, सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक वर्गों के 18,521 पुरुषों और 14,375 महिलाओं को शामिल किया गया था। वे अपने स्क्रीन टाइम के दौरान मुख्य रूप से यूट्यूब, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, सफारी और गूगल क्रोम का उपयोग करते हैं। इसके अलावा युवाओं में पारंपरिक कॉलिंग की जगह एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड व्हाट्सएप कॉलिंग का चलन भी बढ़ रहा है। इसका कारण यह है कि युवा अपने संचार में गोपनीयता चाहते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म युवाओं के लिए डिजिटल अभिव्यक्ति और ऑनलाइन पहचान निर्माण के लिए एक कैनवास प्रदान करते हैं। प्रोफेसर शर्मा के मुताबिक, सोशल मीडिया पर युवा कुल स्क्रीन टाइम में से 31.27 फीसदी इंस्टाग्राम पर, 28.32 फीसदी व्हाट्सएप पर, 19.78 फीसदी स्नैपचैट पर और 17.20 फीसदी समय फेसबुक पर बिताते हैं। अध्ययन का हवाला देते हुए, उन्होंने कहा कि मनोरंजन से संबंधित सामग्री में सबसे अधिक 54.52 प्रतिशत दर्शक हैं, जबकि सोशल मीडिया पर देखी जाने वाली अन्य सामग्री में पेशेवर और स्वयं सहायता (26.23 प्रतिशत), शिक्षा, ज्ञान और समाचार (14.28 प्रतिशत) और राजनीतिक सामग्री में 4.97 प्रतिशत दर्शक शामिल है।। जब ओटीटी प्लेटफार्मों पर सामग्री का उपभोग करने की बात आती है, तो अध्ययन से पता चला कि यूट्यूब सबसे आगे है और 32.03 प्रतिशत युवा इसे पसंद करते हैं।

आईआईएम के मुताबिक, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कनेक्टिविटी के साथ-साथ अवसर भी प्रदान करते हैं। ऐसे में डिजिटल अवसरों के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के बीच तालमेल बनाने के लिए विवेकपूर्ण दृष्टिकोण अपनाना महत्वपूर्ण है। आज के डिजिटल युग में, देश के युवाओं के बीच अत्यधिक स्क्रीन समय को कम करके डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के सकारात्मक प्रभाव को सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। नीति निर्माताओं को ऐसी नीतियां बनाने की जरूरत है ताकि युवा स्वेच्छा से सोशल मीडिया का उपयोग सीमित करें और इसका उपयोग अपने विकास के लिए करें।

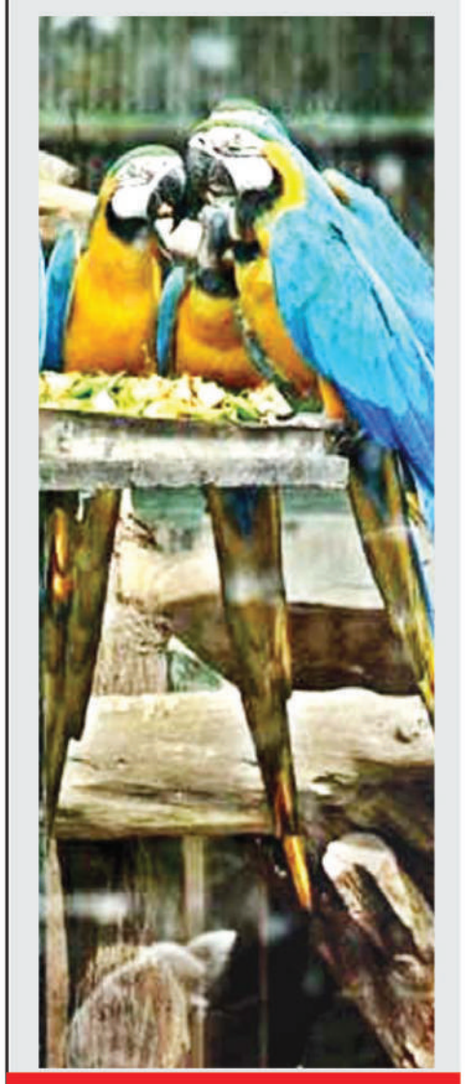

हरिके आर्द्रभूमि पहुंचे 40 से 50 हजार

प्रवासी पक्षी

हरिके (भाषा)। पंजाब की हरिके आर्द्रभूमि (वेटलैंड) में अब तक लगभग 40 से 50 हजार प्रवासी पक्षी पहुंचे हैं। सर्दी के मौसम की शुरुआत में देरी के कारण इस बार ये प्रवासी पक्षी देर से यहां आए हैं। हरिके आर्द्रभूमि को उत्तर भारत की सबसे बड़ी आर्द्रभूमि के रूप में जाना जाता है, जो पंजाब के तरनतारन, फिरोजपुर और कपूरथला जिलों में 86 वर्ग किलोमीटर तक फैली हुई है। हरिके आर्द्रभूमि सर्दियों में प्रवासी जल पक्षियों की दुर्लभ प्रजातियों के आवास के रूप में कार्य करती है। यह आर्द्रभूमि सतलुज और ब्यास नदियों के संगम पर स्थित है। साइबेरिया, मंगोलिया, उज्बेकिस्तान, रूस और दुनिया के अन्य हिस्सों सहित विभिन्न देशों से लगभग 90 प्रजातियों के प्रवासी पक्षी हर साल सर्दियों में हरिके आर्द्रभूमि पहुंचते हैं क्योंकि उनके मूल स्थानों पर जलाशय तापमान में कमी की वजह से जम जाते हैं।

वर्ल्ड वाइल्ड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) इंडिया की समन्वयक गीतांजलि कंवर ने कहा, 'हरिके में लगभग 40 से 50 हजार प्रवासी पक्षियों के पहुंचने का अनुमान है।' उन्होंने कहा कि प्रवासी पक्षियों के आगमन की सही संख्या इस महीने जल पक्षियों की गणना के बाद पता चलेगी। कंवर ने कहा कि प्रवासी पक्षी आमतौर पर सितम्बर में आना शुरू कर देते हैं लेकिन इस बार उनका आगमन नवम्बर में शुरू हुआ, जिसकी वजह सर्दी के मौसम की देर से शुरुआत है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में प्रवासी पक्षियों की संख्या और बढने की उम्मीद है।

प्रियंका ने बेटी की तस्वीरें की शेयर

लॉस एंजेल्स (आईएएनएस)। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनास इन दिनों अपनी फैमिली के साथ वेकेशन पर हैं। अभिनेत्री ने यॉट से अपनी बेटी मालती मैरी की एक मनमोहक झलक शेयर की है, जिसमें उनकी बेटी अपने पापा निक जोनस के साथ यॉट की स्टीयरिंग व्हील को पकड़कर गा रही है। प्रियंका ने इंस्टाग्राम पर अपने वेकेशन की कई तस्वीरें शेयर की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, साल 2023 मैंने ऐसे ही बिताया था और शायद अभी भी मैं ऐसे ही बिता रही हूं। यहां 2024 में शांति, राहत, परिवार, प्यार, खुशी और कम्युनिटी को हाइलाइट किया गया है। अपने प्रियजनों को लोगों को पास रखें। अगर हम ऐसा कर सकते हैं तो हम बहुत भाग्यशाली हैं, नया साल मुबारक हो। परिवार मेक्सिको में नए साल का जश्न मना रहा था। पहली तस्वीर में निक समुद्र किनारे मालती मैरी को पकड़े हुए थे और प्रियंका उनके बगल में बैठी हैं। अगली क्लिप में प्रियंका और मालती समुद्र को देख रही हैं। अन्य तस्वीर में जब अभिनेता ने सेल्फी ली तो मालती प्रियंका के करीब थी। उनकी आउटिंग की कई अन्य तस्वीरों में तीनों को एक यॉट पर दिखाया गया था, जब मालती यॉट की स्टीयरिंग व्हील पकड़कर गा रही थी।

अक्षरा सिंह का भजन राम सबके हैं रिलीज

मुंबई (वार्ता)। भोजपुरी सिनेमा की सुपरस्टार अक्षरा सिंह का भजन राम सबके हैं रिलीज हो गया है। अक्षरा ने अयोध्यापति श्रीराम को लेकर एक भक्तिमय भजन राम सबके हैं गाया है, जो अयोध्या में बन रहे दिव्य राम मंदिर के शुभारंभ के पहले रिलीज कर दिया गया है। इस गाने में भगवान राम की अलौकिक महिमा का बखान अपने संगीत के जरिए किया गया है। अक्षरा सिंह ने इस गाने के बारे में इंस्टाग्राम पर भी पोस्ट किया हैं और लिखा है कि हाथ में मुक्ति नयन गंगाजल, चरण में चारों धाम, प्रभु श्रीराम सबके हैं। गाने में अविनाश झा घुंघरू की भी आवाज सुनाई दे रही है। इसके गीतकार मनोज मतलबी हैं। संगीत निर्देशक अविनाश झा घुंघरू हैं। डीओपी दीपक सिंह हैं।

45 वर्ष की हुईं विपाशा बसु

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री विपाशा बसु आज 45 वर्ष की हो गईं। 07 जनवरी 1979 को दिल्ली में जन्मी विपाशा बसु ने अपनी शुरुआती पढ़ाई कोलकाता से पूरी की है। उन्होंने अपने मॉडलिंग करियर की शुरुआत वर्ष 1996 में कोलकता से ही की थी। मॉडलिंग करियर के दौरान उनकी मुलाकात अर्जुन रामपाल की पत्नी और मॉडल मेहर जेसिया से हुई। उन्होंने उन्हें गोदरेज सिंथोल सुपर मॉडल में भाग लेने को कहा, और बिपासा बसु इस प्रतियोगिता की विजेता भी बनी।

बॉलीवुड में विपाशा बसु ने अपने करियर की शुरूआत वर्ष 2001 में प्रदर्शित फिल्म अजनबी से की। इस फिल्म में विपाशा बसु के अपोजिट अक्षय कुमार थे। फिल्म में विपाशा का किरदार ग्रे शेड्स लिए हुए था। बावजूद इसके विपाशा ने अपने दमदार अभिनय से दर्शकों को रोमांचित कर दिया। इस फिल्म के लिये विपाशा को फिल्म फेयर की ओर से बेस्ट डेब्यू पुरस्कार भी दिया गया । वर्ष 2002 में विपाशा बसु को विक्रम भट्ट के निर्देशन में बनी फिल्म राज में काम करने का अवसर मिला। थ्रिलर से भरपूर राज भी दर्शको को बेहद पसंद आई साथ ही विपाशा अपने दमदार अभिनय के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्मफेयर पुरस्कार के लिये नामांकित की गई।

वर्ष 2003 में प्रदर्शित फिल्म जिस्म विपाशा बसु के करियर की महत्वपूर्ण फिल्मों में शामिल है। इस फिल्म में विपाशा बसु ने एक बार फिर से नेगेटिव किरदार निभाया था। जिस्म में विपाशा बसु के अपोजिट जॉन अब्राहम थे। विपाशा और जॉन की जोड़ी को दर्शकों ने बेहद पसंद किया। इस फिल्म की सफलता के बाद विपाशा और जॉन की जोड़ी ने कई फिल्मों में साथ काम कर दर्शकों का मनोरंजन किया।

विपाशा बसु ने अपने सिने करियर में अब तक लगभग 55 फिल्मों में काम किया है। हिंदी फिल्मों के अलावा विपाशा ने तमिल,तेलगु और बंगला फिल्मों में भी अपने अभिनय का जलवा बिखेरा है। बिपाशा ने वर्ष 2016 में करण सिंह ग्रोवर के साथ शादी कर ली। विपाशा इन दिनों फिल्मों में सक्रिय नहीं है।

मेघना की फिल्म में दिख सकते है सिद्धार्थ मल्होत्रा

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा निर्देशक मेघना गुलजार की फिल्म में काम करते नजर आ सकते है। सिद्धार्थ मल्होत्रा की वेबसीरीज इंडियन पुलिस फोर्स 19 जनवरी को रिलीज होगी। इसके 15 मार्च को फिल्म योद्धा प्रदर्शित होगी। बताया जा रहा है कि सिद्धार्थ, मेघना गुलजार और मलयालम फिल्मों के निर्देशक जीतू जोसेफ की फिल्म में काम करते नजर आ सकते है। इन दोनों ही फिल्मों की स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है, इनकी शूटिंग अगले साल शुरू करने की योजना है।

डेडली में नजर आएगी टाइगर-वरुण और जान्हवी की जोड़ी

मुंबई (वार्ता)। टाइगर श्रॉफ-वरुण धवन और जान्हवी कपूर की जोड़ी फिल्म 'डेडली' में नजर आएगी। फिल्म डेडली का निर्माण करण जौहर कर रहे है, जबकि निर्देशन राज मेहता करेंगे। डेडली की कहानी अनुराग कश्यप लिख रहे है। फिल्म डेडली में पहली बार जान्हवी और टाइगर की जोड़ी देखने को मिलेगी। फिल्म में वरुण धवन विलेन का किरदार निभाते नजर आएंगे।

खबर संक्षेप

कल्याण ज्वैलर्स 250वीं दुकान अयोध्या में खोलेगी

नई दिल्ली। आभूषण विक्रेता कल्याण ज्वैलर्स चालू वित्त वर्ष की अंतिम (मार्च) तिमाही में अपनी 250वीं दुकान उत्तर प्रदेश के अयोध्या में खोलेगी। भारत और पश्चिम एशिया में 30 नई दुकानें खुलने की है।भारत में 15 'कल्याण' दुकानें, पश्चिम एशिया में दो 'कल्याण' दुकानें और 13 'कैंडेयर' दुकानें खोलने की योजना है।

सभी तेल-तिलहन कीमतों में रहा सुधार का रुख

नई दिल्ली। बीते सप्ताह विदेशी बाजारों में सोयाबीन डीगम और कच्चे पामतेल (सीपीओ) के दाम में आई मजबूती के बीच देश के तेल-तिलहन बाजारों में लगभग सभी तेल-तिलहनों (सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल, पामोलीन दिल्ली एवं एक्स-कांडला तथा बिनौला तेल) के दाम सुधार दर्शाते बंद हुए।

पूंजीकरण में सबसे अधिक नुकसान में टीसीएस रही

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 57,408.22 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान टीसीएस और एचडीएफसी बैंक को हुआ। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 214.11 अंक या 0.29 प्रतिशत के नुकसान में रहा।

धामपुर शुगर 10 लाख इक्विटी शेयरों की करेगी पुनर्खरीद

नई दिल्ली। धामपुर शुगर मिल्स के निदेशक मंडल ने 10 लाख पूर्ण चुकता इक्विटी शेयर की पुनर्खरीद को मंजूरी दे दी है। यह पुनर्खरीद 300 रुपये प्रति इक्विटी की दर पर की जाएगी। कंपनी ने 10 लाख इक्विटी शेयर की पुनर्खरीद का प्रस्ताव किया है। यह 31 मार्च, 2023 तक इक्विटी शेयर की कुल संख्या का 1.50 प्रतिशत है।

'इंडसफूड' में 7,500 से अधिक वैश्विक खरीदार लेंगे हिस्सा

INDUS FOOD

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में सोमवार से शुरू होने वाले तीन दिन की खाद्य मेले में 1,200 से अधिक प्रदर्शक और 7,500 से अधिक वैश्विक खरीदार हिस्सा लेंगे। 'इंडसफूड' भारत का एकमात्र निर्यात-केंद्रित खाद्य एवं पेय पदार्थ व्यापार मेला है। वैश्विक खरीदारों के समक्ष घरेलू उत्पाद पेश किए जाते हैं।

मैक्रोटेक डेवलपर्स की बिक्री बुकिंग 14 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी मैक्रोटेक डेवलपर्स ने घरों की मांग में वृद्धि के कारण चालू वित्त वर्ष की पहली तीन तिमाहियों (अप्रैल-दिसंबर) के दौरान 14 प्रतिशत वृद्धि के साथ 10,300 करोड़ रुपये की संपत्तियां बेची हैं। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी की बिक्री बुकिंग 9,040 करोड़ रुपये की रही थी।लोढ़ा ब्रांड के तहत कारोबार करने वाली मैक्रोटेक डेवलपर्स की मुंबई महानगर क्षेत्र और पुणे में अच्छी उपस्थिति है। कंपनी ने हाल ही में बेंगलुरु के रियल एस्टेट बाजार में प्रवेश किया है।

कर्ज महंगा हुआ तो इसका असर यात्री वाहनों की बिक्री पर पड़ेगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक यदि आगे चलकर प्रमुख नीतिगत दर रेपो में कटौती नहीं करता है, तो वाहन कर्ज और महंगा हो सकता है, जिसका सीधा असर यात्री वाहनों (पीवी) की बिक्री पर पड़ेगा। मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन और बिक्री) शशांक श्रीवास्तव ने यह बात कही है। श्रीवास्तव ने कहा कि इस साल उद्योग एक अंकीय वृद्धि के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि 2023 में रिकॉर्ड 41.08 लाख इकाइयों के ऊंचे आधार के चलते यात्री वाहनों की बिक्री वृद्धि एक अंक में रह सकती है। श्रीवास्तव ने कहा कि देश की कुल आर्थिक वृद्धि एक सकारात्मक कारक है।

- 2023 में रिकॉर्ड 41.08 लाख इकाइयों की बिक्री हुई

मारुति के अधिकारी ने कहा, उद्योग एक अंकीय वृद्धि के लिए तैयार

2023 में वृद्धि 8.3 प्रतिशत रही

इस आधार पर लगातार वृद्धि हासिल करना कुछ मुश्किल है। हमने देखा कि 2021 में वृद्धि लगभग 27 प्रतिशत थी, 2022 में यह 23 प्रतिशत थी। 2023 में यह 8.3 प्रतिशत है। इसलिए मेरा अनुमान है कि इस साल वृद्धि एक अंक में रहेगी। श्रीवास्तव ने कहा कि वाहन कर्ज की दरों में संभावित बढ़ोतरी भविष्य की मांग को प्रभावित कर सकती है।

अर्थव्यवस्था की वृद्धि पर वृद्धि निर्भर

श्रीवास्तव ने कहा, 'वाहन उद्योग की वृद्धि काफी हद तक कुल अर्थव्यवस्था की वृद्धि पर निर्भर करती है। प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 6-6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। दोनों के बीच अधिक जुड़ाव होता है... इसलिए यह एक सकारात्मक पक्ष है।' उन्होंने कहा, हम पहुंच ऊंचे 'आधार' पर पहुंच गए है।

पिछले साल ढ़ाई प्रतिशत वृद्धि हुई है

पिछले साल से रेपो दर में ढाई प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस बढ़ोतरी को अभी पूरी तरह खुदरा स्तर पर स्थानांतरित नहीं किया गया है। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि आवास ऋण में फ्लोटिंग दरों की वजह से रेपो दर में वृद्धि तुरंत खुदरा ऋण दरों में आती है।

98 फीसदी कर्ज फिक्स्ड दरों पर होता है

वाहन ऋण के मामले में लगभग 98 प्रतिशत कर्ज निश्चित या फिक्स्ड दरों पर होता है। श्रीवास्तव ने कहा कि अबतक रेपो दर में 2.50 प्रतिशत की बढ़ोतरी में से 1.3 प्रतिशत खुदरा वाहन कर्ज में आया है। यदि इस साल नीतिगत दर में कटौती नहीं होती है, तो वाहन कर्ज 1.2 प्रतिशत और महंगा हो सकता है।

अन्य कारक बिक्री को प्रभावित करेंगे

अधिकारी ने कहा कि ब्याज दर में संभावित वृद्धि के अलावा जो अन्य कारक यात्रा वाहन की बिक्री को प्रभावित कर सकती है, उनमें दबी मांग का समाप्त होना और विनिर्माताओं द्वारा 2023 की समाप्ति से पहले स्टॉक में किया गया 'करेक्शन' शामिल है।

भारत कम खपत वृद्धि की चुनौती का सामना कर रहा

खपत बढ़ाने के लिए महंगाई को नीचे लाना जरूरी : इंडिया रेटिंग्स

- मुद्रास्फीति नीचे आने से लोगों के हाथ में खर्च करने के लिए अधिक पैसा होगा
- निचले स्तर के लोगों का वेतन उसी गति से नहीं बढ़ रहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय अर्थव्यवस्था कम खपत वृद्धि की चुनौती का सामना कर रही है, क्योंकि उच्च मुद्रास्फीति निम्न आय वर्ग के लोगों को प्रभावित कर रही है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के मुख्य अर्थशास्त्री देवेंद्र कुमार पंत ने यह बात कही है।

पंत ने कहा, 'हालांकि, देश की अर्थव्यवस्था अब सामान्य से कम मानसून और उच्च वैश्विक तेल कीमतों के दोहरे झटके से निपटने की जुझारू क्षमता रखती है, लेकिन चुनौती मुद्रास्फीति को नीचे लाने की है, ताकि लोगों के हाथ में खर्च के लिए अधिक पैसा हो।'

अर्थशास्त्री ने कहा कि मुद्रास्फीति में एक प्रतिशत अंक की कमी से सकल घरेलू उत्पाद में 0.64 प्रतिशत की वृद्धि होगी या पीएफसीई (निजी अंतिम उपभोग व्यय) में 1.12 प्रतिशत अंक की वृद्धि होगी... यदि मुद्रास्फीति को एक प्रतिशत अंक तक कम किया जा सकता है, तो यह सभी के लिए जीत की स्थिति होगी। पीएफसीई व्यक्तियों द्वारा व्यक्तिगत उपभोग के लिए वस्तुओं और सेवाओं पर खर्च को दर्शाता है।

आर्थिक वृद्धि सरकारी खर्च से आगे बढ़ती है

वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग्स की अनुषंगी कंपनी इंड-रा के अनुमान के मुताबिक, पीएफसीई चालू वित्त वर्ष में सालाना आधार पर 5.2 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह वृद्धि 7.5 प्रतिशत थी। पंत ने कहा कि आर्थिक वृद्धि सरकारी खर्च से आगे बढ़ती है।

निजी कंपनियों का निवेश जरूरी

साल-दर-साल आधार पर लगातार खर्च के ऊंचे स्तर से राजकोषीय घाटे और ऋण के लिए जोखिम पैदा होता है, जिसके चलते ब्याज दरें ऊंची रहेंगी। 'जबतक निजी कंपनियों का निवेश शुरू नहीं होता और सरकार अपने द्वारा किए जा रहे कुछ निवेश को वापस नहीं लेती है, तबतक अर्थव्यवस्था में स्थिर वृद्धि की राह नहीं पकड़ेगी।'

खाद्य कीमतों में वृद्धि से महंगाई बढ़ी

नवंबर में खुदरा या उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति बढ़कर तीन महीने के उच्चस्तर 5.55 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जिसका मुख्य कारण खाद्य कीमतों में वृद्धि है।

50 फीसदी को अधिक मुद्रास्फीति का सामना करना पड़ रहा : *पंत ने कहा, 'हमने एक अध्ययन किया है और पाया है कि निचले 50 प्रतिशत वर्ग के लोगों को शीर्ष 50 प्रतिशत आबादी के लोगों की तुलना में अधिक मुद्रास्फीति का सामना करना पड़ता है। मुख्य रूप से निचले हिस्से के लोगों द्वारा उपभोग की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें ऊपरी स्तर द्वारा उपभोग की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं की तुलना में तेजी से बढ़ रही हैं।'*

India Ratings & Research
A Fitch Group Company

भारत में दो प्रकार के आयवर्ग वाले

वित्त वर्ष 2022-23 में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। सरकार का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर 7.3 प्रतिशत रहेगी। पंत ने कहा कि आय वर्ग के मामले में भारत दो प्रकार के हैं - एक उच्च आय वर्ग के लोग और दूसरे निम्न आय वर्ग के लोग। 'पिरामिड' के निचले स्तर के लोगों का वेतन उसी गति से नहीं बढ़ रहा है जिस गति से संगठित क्षेत्र के लोगों या ऊपरी स्तर के लोगों का बढ़ रहा है।

निवेश बैंकरों की शुल्क आय रिकॉर्ड 1.3 अरब डॉलर पर

एजेंसी ▶▶ मुंबई

निवेश बैंकरों की शुल्क आय 2023 में सालाना आधार पर 28 प्रतिशत बढ़कर 1.3 अरब अमेरिकी डॉलर के नए शिखर पर पहुंच गई। एलएसईजी डील्स इंटेलिजेंस (पुराना नाम रिफिनिटव) द्वारा एकत्र किए गए आंकड़ों के अनुसार, 2023 में अनुमानित शुल्क 1.3 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। यह 2022 की तुलना में 28 प्रतिशत अधिक है। वहीं 2000 से दर्ज किए जा रहे इन आंकड़ों में यह अबतक का सबसे ऊंचा आकंड़ा है। उच्च इक्विटी और बॉन्ड बिक्री की वजह से निवेश बैंकरों की आय बढ़ी है।

- 2023 में सालाना आधार पर 28 फीसदी बढ़ी

एजेंसी के अनुसार, भारतीय स्टेट बैंक 10.27 करोड़ अमेरिकी डॉलर के संग्रह के साथ निवेश बैंकिंग शुल्क हासिल करने में शीर्ष पर रहा। यह देश के कुल निवेश बैंकिंग शुल्क का 7.7 प्रतिशत है। दूसरा सबसे बड़ा शुल्क स्रोत इक्विटी पूंजी बाजार (ईसीएम) 'अंडरराइटिंग' से रहा। यह 2023 में 68 प्रतिशत बढ़कर 34.35 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया।

ईसीएम गतिविधियों में 2023 में 31.2 अरब अमेरिकी डॉलर जुटाए गए। यह 2022 की तुलना में यह 59.6 प्रतिशत अधिक है। वहीं 2021 के बाद से सर्वाधिक है। ईसीएम पेशकशों की संख्या में भी सालाना आधार पर 48.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई।

24.4 अरब अमेरिकी डॉलर की बढ़ोतरी

ईसीएम मार्ट का नेतृत्व अनुवर्ती पेशकशों द्वारा किया गया, जो कुल ईसीएम आय का 78 प्रतिशत रहीं। इसमें 24.4 अरब अमेरिकी डॉलर की बढ़ोतरी हुई। यह सालाना आधार पर 105.1 प्रतिशत अधिक है, जबकि मात्रा 39.8 प्रतिशत बढ़ी।

रिलायंस-ब्रुकफील्ड के साथ मिलकर खोलेगी डेटा सेंटर

- साझेदारी में अगले सप्ताह चेन्नई में एक डेटा सेंटर खोलेगी

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

उद्योगपति मुकेश अंबानी ने रविवार को कहा कि उनकी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज कनाडा की ब्रुकफील्ड के साथ साझेदारी में अगले सप्ताह चेन्नई में एक डेटा सेंटर खोलेगी। रिलायंस ने पिछले साल जुलाई में एक मौजूदा संयुक्त उद्यम में प्रवेश करने के लिए करीब 378 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जिसमें ब्रुकफील्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर और अमेरिका के रियल्टी एस्टेट निवेश ट्रस्ट डिजिटल रियल्टी पहले से ही भागीदार थे। इन तीनों की इस उद्यम में 33-33 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। 'तमिलनाडु ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट' में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा कि उनका समूह नवीकरणीय ऊर्जा तथा हरित हाइड्रोजन के साथ-साथ राज्य में एक डेटा सेंटर स्थापित करने में भी निवेश कर रहा है। अंबानी ने कहा कि रिलायंस ने अत्याधुनिक डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए कनाडा की ब्रुकफील्ड एसेट मैनेजमेंट और अमेरिका स्थित डिजिटल रियल्टी के साथ साझेदारी की है। डेटा सेंटर अगले सप्ताह खोला जाएगा। भारतीय डेटा सेंटर बाजार हाल के महीनों में गौतम अडाणी के अडाणी समूह और सुनील मित्तल की भारती एयरटेल लिमिटेड के बाद अब रिलायंस के प्रवेश के साथ गर्मा गया है।

गोदरेज की रसायन इकाई गुजरात में करेगी निवेश

नई दिल्ली। गोदरेज इंडस्ट्रीज लिमिटेड की रसायन इकाई ने गुजरात के वलसाड में क्षमता विस्तार के लिए अगले चार साल में 600 करोड़ रुपये के निवेश की योजना बनाई है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि गोदरेज इंडस्ट्रीज लिमिटेड (रसायन प्रभाग) ने इसके लिए गुजरात सरकार के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू के तहत कंपनी वालिया में महत्वपूर्ण विस्तार पर अगले चार वर्षों में 600 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना सकती है। इससे लगभग 250 लोगों को रोजगार मिलेगा।' कंपनी ने कहा कि एमओयू से वालिया में विस्तार का मार्ग खुलेगा। वहां गोदरेज इंडस्ट्रीज के पास पहले से ही एक विनिर्माण इकाई है। गोदरेज इंडस्ट्रीज (रसायन) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विशाल शर्मा ने कहा, 'यह रणनीतिक सहयोग वृद्धि, नवोन्मेष और क्षेत्र के आर्थिक विकास में योगदान के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।'

ग्रामीण स्टार्टअप के लिए बेहतर आपूर्ति श्रृंखला जरूरी

नई दिल्ली। ग्रामीण स्टार्टअप अनुसंधान तथा नवाचार को बढ़ावा देने के लिए नए कार्यक्रमों के वास्ते मजबूत आधार तैयार रहे हैं, क्योंकि जमीनी स्तर के उद्यमी को सुव्यवस्थित आपूर्ति श्रृंखला, सब्सिडी, बेहतर बुनियादी ढांचे और कोष तक आसान पहुंच की दरकार हैं।

कच्चे माल का आयात आसान हो सके

कृषि फिल्म और औद्योगिक पैकेजिंग फिल्म का विनिर्माण करने वाली पुणे की आइरिस पॉलीमर्स के संस्थापक अरुण अवातडे ने कहा कि सरकार इस क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति और बिक्री श्रृंखलाओं से जुड़ने में मदद कर सकती है ताकि कच्चे माल का आयात तथा तैयार उत्पादों का निर्यात आसान हो सके।

बजट तथा लोकसभा चुनाव के नजदीक आने पर स्टार्टअप को उम्मीद है कि सरकार विभिन्न मुद्दों पर ध्यान देगी। हालांकि , पिछले कुछ साल में विभिन्न नीतिगत बदलावों से उनके समग्र प्रदर्शन में सुधार हुआ है। क्रिनी स्पाइसेज के संस्थापक प्रदीप कुमार यादव ने कहा, "भारत के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को पुराने उपकरण, अप्रभावी आपूर्ति श्रृंखला, खराब बुनियादी ढांचे और सीमित वित्त उपलब्धता जैसी कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सरकार हमें वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से जुड़ने में मदद करेगी ताकि हम अपने उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निर्यात कर सकें। क्रिनी स्पाइसेस को मार्च 2017 में शुरू किया गया था। इसमें 22 प्रत्यक्ष और 100 से अधिक अप्रत्यक्ष कर्मचारी हैं। कंपनी ने 2022-23 में 4.19 करोड़ रुपये का कारोबार किया।

समर्थन मिले तो 90 अरब डॉलर होगा देश में जूता चप्पल उद्योग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश के जूता-चप्पल (फुटवियर) उद्योग का आकार 2030 तक तीन गुना से अधिक होकर 90 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि इस उद्योग को जूता आयात पर प्रतिबंध, राजकोषीय प्रोत्साहन, अधिक डिजाइन केंद्र और ताइवान के अनुबंधित विनिर्माताओं को यहां दुकानें स्थापित कराने जैसे उपाय किए जाएं, तो यह उद्योग तेजी से आगे बढ़ेगा।

आर्थिक शोध संस्थान वैश्विक व्यापार अनुसंधान पहल (जीटीआरआई) ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि 26 अरब डॉलर के भारतीय फुटवियर बाजार के 2030 तक 90 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इसमें कहा गया, 'यह वृद्धि मुख्य रूप से दो भारत में गैर-चमड़े के जूते (जैसे खेल के जूते, दौड़ने के जूते, कैजुअल वियर और स्नीकर्स) की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि कर इसकी बाजार हिस्सेदारी 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 2030 तक 75 प्रतिशत करने और चमड़े के जूते के उत्पादन में लघु-स्तरीय, कुटीर उद्योगों से बड़े कॉरपोरेट की ओर बदलाव करना। इस क्षेत्र के लिए आठ कदमों का सुझाव देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत को घरेलू कंपनियों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा स्थानीय उत्पादन का समर्थन करना चाहिए और तैयार जूते के 'आयात को रोकना' चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया, 'आज कई ब्रांड भारत में चीन या वियतनाम में बने जूते बेचते

- उद्योग का आकार 2030 तक तीन गुना से अधिक होगा

भारत जूतों के सामान का उत्पादन नहीं करता

इसने सुझाव दिया कि सरकार प्रीमियम जूते बनाने के लिए आवश्यक सामग्री के लिए पीएलआई (उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन) योजना शुरू करे क्योंकि भारत जूता बनाने में इस्तेमाल होने वाले सामान का उत्पादन नहीं करता है। इनमें आउटसोल मोल्ड, ग्लू, एथिलीन विनाइल एसिटेट (ईवीए) ग्रैन्यूल शामिल हैं।

एफएमसीजी कंपनियों को एकल अंक वृद्धि की उम्मीद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दैनिक उपभोग का सामान बनाने वाली अग्रणी कंपनियां अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सालाना आधार पर एक अंकीय वृद्धि की उम्मीद कर रही हैं। तिमाही आधार पर उपभोक्ता मांग में सुधार हुआ है, जिसके चलते एफएमसीजी कंपनियों को अक्टूबर-दिसंबर में निम्न से मध्य एक अंकीय वृद्धि की उम्मीद है। डाबर, मैरिको और गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स जैसी प्रमुख सूचीबद्ध कंपनियों ने अपने तिमाही आंकड़ों को जारी करते हुए कहा है कि ग्रामीण बाजार में उपभोक्ता मांग कम रही है। कंपनियां धीरे-धीरे बढ़ोतरी को लेकर आशान्वित हैं क्योंकि मात्रा में सुधार के रुझान के साथ खपत में सुधार के शुरुआती संकेत दिखाई दे रहे हैं।

टोयोटा ने वाहनों के दाम 2.5 प्रतिशत तक बढ़ाए

नई दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने एक जनवरी, 2024 से वाहनों की कीमतों में 0.5 प्रतिशत से 2.5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की है। यह वृद्धि चुनिंदा मॉडल और कुछ संस्करणों पर की गयी है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने कहा कि बढ़ती लागत की आंशिक रूप से भरपाई के लिए यह वृद्धि आवश्यक थी।

इसमें कहा गया है कि इसका ध्यान रखा गया है कि कीमत वृद्धि का ग्राहकों पर कम-से-कम प्रभाव हो। इसको ध्यान में रखते हुए समग्र मूल्य समायोजन को नियंत्रित किया गया है।

- कंपनी का सारा ध्यान अब भारत पर होगा
- पिछले एक साल में वियतनाम और पोलैंड समेत 10 सब्सिडरी कंपनियों को बेचा

जोमेटो समेट रही दुनिया से कारोबार एक साल में बंद की 10 सब्सिडरी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमेटो ने सारी दुनिया से अपना कारोबार समेट लिया है। कंपनी ने पूरा फोकस सिर्फ भारत पर लगाने का फैसला किया है। जोमेटो ने पिछले एक साल में वियतनाम और पोलैंड समेत दुनियाभर में फैली अपनी 10 सब्सिडरी कंपनियों को बेच दिया है।

&nsp;गुरुग्राम स्थित जोमेटो ने मार्च, 2023 से लेकर अब तक 10 कंपनियों को बेच दिया है। कंपनी ने इसी हफ्ते स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया कि जोमेटो वियतनाम कंपनी लिमिटेड और पोलैंड के ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म गेस्ट्रोनोची को बेचने का फैसला लिया गया है। यह फैसला कॉस्ट कटिंग के चलते लिया गया। इसके साथ ही जोमेटो ने 10 देशों में कारोबार बंद कर दिया है।

कनाडा व अमेरिका में भी समेट चुकी है कारोबार

फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म ने 2023 में जोमेटो चिली एसपीए, पीटी जोमेटो मीडिया इंडोनेशिया , जोमेटो न्यूजीलैंड मीडिया प्राइवेट लिमिटेड , जोमेटो ऑस्ट्रेलिया , जोमेटो मीडिया पुर्तगाल यूनिपेसोल, जोमेटो आयरलैंड , जॉर्डन एवं चेक रिपब्लिक लंचटाइम और जोमेटो स्लोवाकिया को बंद कर दिया था। इससे पहले कंपनी कनाडा, अमेरिका, फिलिपींस, ब्रिटेन, कतर, लेबनान और सिंगापुर में भी अपने बिजनेस बंद कर चुकी है।

दो तिमाही से लाभ में चल रही कंपनी

वित्तीय वर्ष 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, जोमेटो के पास 16 सब्सिडरी, 12 स्टेप डाउन सब्सिडरी और एक एसोसिएट कंपनी थी। इनमें जोमेटो पेमेंट्स, ब्लिंकिट कॉमर्स और जोमेटो फाइनेंशियल सर्विसेज शामिल थीं। कंपनी को चालू वित्त वर्ष की पहली दो तिमाही में शुद्ध लाभ हुआ है। उसने जून तिमाही में 2 करोड़ रुपए और सितंबर तिमाही में 36 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। कंपनी का रेवेन्यू 71 फीसदी बढ़कर 2,848 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

कारोबार पर नहीं पड़ेगा कोई असर

लगभग सभी मार्केट से बाहर निकलने के बावजूद जोमेटो अभी भी इंडोनेशिया, श्री लंका और यूएई में कारोबार चला रही है। कंपनी ने कहा कि इन सब्सिडरी को बंद किए जाने के बावजूद उसके कारोबार पर कोई असर नहीं पड़ेगा। विदेशी बाजारों में कंपनी का एक्टिव बिजनेस ऑपरेशंस नहीं था।

रणजी ट्रॉफी : पुजारा ने प्रथम श्रेणी में ठोका 17वां दोहरा शतक, 258 मैच में बनाए 19812 रन

एजेंसी ▶▶ राजकोट

रणजी ट्रॉफी 2024 के पहले चरण में चेतेश्वर पुजारा ने शानदार बल्लेबाजी की है। सीजन के पहले मैच में ही उन्होंने दोहरा शतक जड़ा दिया है। उन्होंने झारखंड के खिलाफ 356 गेंद में नाबाद 243 रन बनाए। यह रणजी ट्रॉफी में उनका आठवां दोहरा शतक है। अब वह इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा दोहरे शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। अब उनसे आगे नौ दोहरे शतक लगाने वाले पारस डोगरा हैं।

पुजारा अब 17 प्रथम श्रेणी दोहरे शतक के साथ हर्बर्ट सटक्लिफ और मार्क रामप्रकाश की बराबरी पर हैं। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सबसे ज्यादा दोहरे शतक लगाने के मामले में डॉन ब्रैडमैन (37), वैली हैमंड (36) और पैट्सी हेंड्रेन (22) के बाद चेतेश्वर पुजारा का नाम है। पुजारा के नाम तीन प्रथम श्रेणी तिहरे शतक भी हैं, जिनमें से आखिरी अक्टूबर 2013 में वेस्टइंडीज ए के खिलाफ आया था।

पुजारा ने लक्ष्मण को पछाड़ा

पुजारा ने इस पारी के दौरान कुछ बड़े रिकॉर्ड्स बनाए। पुजारा अब फर्स्ट क्लास क्रिकेट में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बन गए हैं। पुजारा (19812 रन) ने वीवीएस लक्ष्मण को पछाड़ दिया, जिनके फर्स्ट क्लास कॅरियर में 19730 रन थे। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में सुनील गावस्कर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय हैं। गावस्कर ने 348 फर्स्ट क्लास मैचों में 51.46 की औसत से 25834 रन बनाए, जिसमें 81 शतक और 105 अर्धशतक शामिल रहे। वहीं सचिन ने 310 फर्स्ट क्लास मैच खेलकर 57.84 की औसत से 25396 रन बनाए। सचिन के नाम पर फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 81 शतक और 116 अर्धशतक दर्ज हैं। राहुल द्रविड़ 23794 रनों के साथ इस मामले में तीसरे स्थान पर हैं।

दोहरे शतकवीर

खिलाड़ी	दोहरा शतक
डॉन ब्रैडमैन	37
वैली हैमंड	36
पैट्सी हेंड्रेन	22
चेतेश्वर पुजारा	17*
हर्बर्ट सटक्लिफ	17
मार्क रामप्रकाश	17

सौराष्ट्र ने बनाई 436 रनों की बड़ी लीड

पुजारा की शानदार पारी के दम पर सौराष्ट्र ने अपनी पहली पारी 578/4 रनों के स्कोर पर घोषित कर दी। झारखंड ने अपनी पहली पारी में 142 रन बनाए थे, यानी सौराष्ट्र को 436 रनों की बड़ी लीड मिली है।

फर्स्ट क्लास में 61 शतक

पुजारा ने अबतक 258 फर्स्ट क्लास मैचों में 19812 रन बनाए हैं। पुजारा ने इस दौरान 61 शतक और 77 अर्धशतक लगाए हैं। पुजारा का टेस्ट कॅरियर काफी शानदार रहा है। 35 वर्षीय पुजारा अब तक 103 टेस्ट मैचों में 43.60 की औसत से 7195 रन बना चुके हैं।

टीम इंडिया के लिए किया दावा

पुजारा ने इस पारी के साथ ही इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया में अपनी वापसी दावा मजबूत कर लिया है। दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर यशस्वी जायसवाल और श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ियों ने खासा निराश किया था। ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में इन दोनों खिलाड़ियों की जगह चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को शामिल किया जा सकता है। पांच टेस्ट की यह सीरीज 25 जनवरी से शुरू होगी। पुजारा ने आखिरी टेस्ट जून में द ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में खेला था, जिसमें उन्होंने 14 और 27 रन बनाए थे।

खबर संक्षेप

अभ्यास मैच खेलेंगे नीदरलैंड, नामीबिया

जोहानिसबर्ग। नीदरलैंड और नामीबिया की टीमें इस साल जून में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी के सिलसिले में दक्षिण अफ्रीका के टी20 लीग एसए20 की टीमों के साथ अभ्यास मैच खेलेंगे। नीदरलैंड और नामीबिया के खिलाड़ियों को एसए20 में खेलने वाले कई शीर्ष खिलाड़ियों का सामना करने का मौका मिल सकता है। एसए20 लीग बुधवार से शुरू हो रहा है। नीदरलैंड का सामना सनराइजर्स ईस्टर्न केप, पार्ल रॉयल्स और एमआई केपटाउन से होगा, जबकि नामीबिया जोबर्ग सुपर किंग्स के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगा।

शिविर के लिए 41 खिलाड़ियों का चयन

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने बेंगलुरु में भारतीय खेल प्राधिकरण परिसर में सोमवार से शुरू होने वाले जूनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए रविवार को 41 सदस्यीय टीम घोषित की। हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार खिलाड़ियों का चयन 2023 में घरेलू चैंपियनशिप के प्रदर्शन के आधार पर किया गया। एक महीने तक चलने वाले इस शिविर में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को कोच तुषार खांडेकर के पास रिपोर्ट करनी होगी।

स्पिनर अबरार अहमद पर कार्रवाई करेगा पीसीबी

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के दौरान चिकित्सा टीम के निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए लेग स्पिनर अबरार अहमद पर कार्रवाई कर सकता है। अबरार तंत्रिका तंत्र से जुड़ी समस्या के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक मैच भी नहीं खेल पाए थे।पाकिस्तान की टीम के चिकित्सक, फिजियो और ट्रेनर से परामर्श लेने के बाद पीसीबी के चिकित्सा पैनल ने बोर्ड के अध्यक्ष को अपनी रिपोर्ट सौंपी है जिसमें कहा गया है कि अबरार ने पिछले साल भारत में खेले गए विश्व कप से ही उपचार प्रक्रिया के प्रति लापरवाही बरती।

अफरीदी को विश्राम दिया गया था : हफीज

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के निदेशक मोहम्मद हफीज ने कहा कि तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को कार्यभार प्रबंधन के तहत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले गए तीसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में विश्राम दिया गया था। ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी में शनिवार को पाकिस्तान को 8 विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला में क्लीनस्वीप किया। हफीज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के बाद कहा, 'हमने शाहीन के कार्यभार को देखते हुए उन्हें विश्राम देने का फैसला किया था।

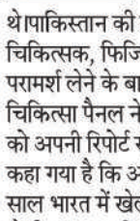

टेनिस : फाइनल में सबालेंका को आसानी से 6-0, 6-3 से हराया

ऐलेना बनी ब्रिस्बेन इंटरनेशनल चैंपियन ग्रिगोर ने 6 साल में जीता पहला खिताब

एजेंसी ▶▶ ब्रिस्बेन

ऐलेना रयाबकिना ने बेहतरीन खेल का नजारा पेश करते हुए रविवार को यहां शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका को सीधे सेटों में हराकर ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट में महिला एकल का खिताब जीता। दूसरी वरीयता प्राप्त रयाबकिना ने फाइनल में सबालेंका को आसानी से 6-0, 6-3 से हराकर अपने कॅरियर का छठा खिताब जीता तथा ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए अपनी तैयारी का पुख्ता नमूना भी पेश किया।

इससे पहले इन दोनों खिलाड़ियों के बीच जो सात मुकाबले हुए थे उनमें से पांच में सबालेंका ने जीत दर्ज की थी लेकिन रविवार को विश्व में चौथे नंबर की खिलाड़ी रयाबकिना के ग्राउंडस्ट्रोक्स का उनके पास कोई जवाब नहीं था।

सेट : 1

सबालेंका ने पिछले साल रयाबकिना को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीता था लेकिन यहां पहले सेट में उन्होंने अपनी तीन सर्विस गंवाई। रयाबकिना ने पहला सेट केवल 24 मिनट में जीता।

सेट : 2

रयाबकिना ने दूसरे सेट के तीसरे गेम में अपनी सर्विस गंवाई लेकिन उन्होंने तुरंत ही अगले गेम में ब्रेक प्वाइंट लेकर हिसाब बराबर कर दिया। इसके बाद उन्होंने मैच जीतने में ज्यादा समय नहीं लगाया।

दिमित्रोव ने रूने को हराया

पुरुष एकल के फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त ग्रिगोर दिमित्रोव ने शीर्ष वरीयता प्राप्त होल्गर रूने को 7-6 (5), 6-4 से हराकर छह साल में अपना पहला खिताब जीता। यह मैच दो घंटे 13 मिनट तक चला और केवल एक बार किसी खिलाड़ी की सर्विस टूटी। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। दिमित्रोव ने टाइब्रेकर में यह सेट अपने नाम किया। उन्होंने दूसरे सेट के आठवें गेम में रून की सर्विस तोड़कर 4-3 से बढ़त बनाई और फिर अपनी सर्विस पर मैच जीता। विश्व में 14वें नंबर के खिलाड़ी दिमित्रोव का यह कॅरियर का नौवां और 2017 में एटीपी फाइनल्स के बाद पहला खिताब है।

गॉफ ने लगातार दूसरी बार जीता ऑकलैंड क्लासिक का खिताब

ऑकलैंड। शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गॉफ ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके रविवार को यहां फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना को हराकर ऑकलैंड टेनिस क्लासिक में अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। गॉफ ने स्वितोलिना को 6-7 (4), 6-3, 6-3 से हराया। पूरे सप्ताह में यह पहला अवसर था जबकि गॉफ को तीन सेट तक जूझना पड़ा। वह बिना सेट गंवाए फाइनल में पहुंची थी। अमेरिका की इस खिलाड़ी ने पिछले साल यहां बिना सेट गंवाए खिताब जीता था। लेकिन इस बार फाइनल में उन्हें कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। यह मैच दो घंटे 23 मिनट तक चला। गॉफ 2018 और 2019 की चैंपियन जूलिया जॉर्जेस के बाद लगातार ऑकलैंड क्लासिक का खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनीं।

टीम इंडिया का ऐलान

रोहित, कोहली और गिल की टी20 टीम में वापसी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की आगामी टी20 श्रृंखला के लिए रविवार को घोषित भारतीय टीम में कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली की वापसी हुई है।

इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों ने लगभग 14 महीनों से किसी भी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में हिस्सा नहीं लिया है। समझा जाता है कि दक्षिण अफ्रीका में चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर से मुलाकात के दौरान दोनों ने खुद को इस प्रारूप में राष्ट्रीय टीम के लिए उपलब्ध बताया था। सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या और ऋतुराज गायकवाड़ को चोट के कारण बाहर रखा गया है। ये सभी अपनी-अपनी चोट से उबरने में नाकाम रहे। 11 जनवरी से शुरू हो रही सीरीज टी-20 वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिहाज से अहम हैं। यह जून में होने जा रहे टी-20 वर्ल्ड कप से पहले भारतीय टीम की आखिरी बाइलेटरल सीरीज है।रोहित और विराट ने देश के लिए अपना पिछला टी20 मैच 10 नवंबर 2022 को विश्व कप में खेला था।

टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज इशान किशन और रविंद्र जडेजा का नाम नहीं है। भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ 11 जनवरी को मोहाली में पहला मैच खेलेगी। श्रृंखला का दूसरा और तीसरा मैच क्रमशः इंदौर और बेंगलुरु में खेला जाएगा।

भारतीय टीम: रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा, संजू सैमसन, शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, आवेश खान, मुकेश कुमार।

रोस ब्रांच ने जीता डकार रैली का पहला चरण

एजेंसी ▶▶ अल हिनाकिया

हीरो मोटोस्पोर्ट्स के राइडर रोस ब्रांच ने डकार रैली के बाइक वर्ग का पहला चरण शनिवार को यहां अपने नाम कर इतिहास रचा।

ब्रांच की इस जीत से भारतीय बाइक निर्माता कंपनी पहली बार डकार रैली में किसी चरण की तालिका के बाद शीर्ष स्थान पर पहुंच गयी। डकार रैली का यह 46वां सत्र है जबकि सऊदी अरब में लगातार पांचवें साल इसका आयोजन हो रहा है। दुनिया के सबसे मुश्किल रैली रेस में से एक डकार रैली के बाइक वर्ग में 136 राइडर ने अल उला से अल हिनाकिया के बीच हुए पहले चरण में भाग लिया।

चोटिल राशिद की जगह पोलार्ड बने एमआई केपटाउन के कप्तान

केपटाउन। वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड को रविवार से शुरू होने वाले एसए20 लीग के लिए चोटिल राशिद खान की जगह एमआई केपटाउन का कप्तान नियुक्त किया गया है। एमआई केपटाउन ने पहले अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद को अपना कप्तान नियुक्त किया था लेकिन वह चोट से नहीं उबर पाए हैं। इस फ्रेंचाइजी ने मीडिया को जारी बयान में कहा, 'राशिद खान अभी चोट से उबर रहे हैं और खेलने के लिए उपलब्ध नहीं हैं। एमआई केपटाउन उनके शीघ्र फिट होने की कामना करता है।' राशिद खान को भारत के खिलाफ होने वाली टी20 श्रृंखला के लिए अफगानिस्तान की टीम में शामिल किया गया है लेकिन उनके इसमें खेलने की संभावना नहीं है। इस बीच एमआई अमीरात ने वेस्टइंडीज के विकेटकीपर बल्लेबाज निकोलस पूरण को आईएलटी20 के लिए अपना कप्तान नियुक्त किया।

रियल मैड्रिड और एटलेटिको ने अंतिम 16 में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶ मैड्रिड

रियल मैड्रिड ने चौथे डिविजन के क्लब अरंडिना को आसानी से 3-1 से हराकर कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट के अंतिम 16 में प्रवेश किया। मौजूदा चैंपियन रियल मैड्रिड ने शुरू से दबदबा बनाए रखा। उसकी तरफ से जोसेलु, ब्राहिम डियाज और रोड्रिगो ने गोल किए। अरंडिना की टीम शुरू से जूझती नजर आई।

रियल मैड्रिड के डिफेंडर नाचो फर्नांडीज ने अंतिम क्षणों में आत्मघाती गोल करके उसका खाता खोला। एटलेटिको मैड्रिड भी अंतिम 16 में जगह बनाने में सफल रहा। उसने तीसरे डिविजन के क्लब लूगो को 3-1 से हराया।

मेम्फिस डेपे ने एटलेटिको की जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दूसरे हाफ में दो गोल किए। उनके अलावा एंजेल कोरिया ने भी एटलेटिको की तरफ से गोल किया। लूगो की तरफ से एकमात्र गोल 39वें मिनट में लिएंड्रो एंटोनेटी ने किया। अन्य मैचों में गिरोना ने एल्ची को 2-0 से, गेटाफे ने एस्पेनयोल को 1-0 से और रेयो वैलेकैनो ने दूसरे डिवीजन के क्लब ह्यूस्का को 2-0 से पराजित किया।

आस्ट्रेलिया ने भारत को 6 विकेट से हराया

नवी मुंबई। आस्ट्रेलियाई महिला टीम ने शानदार गेंदबाजी के बाद एलिसे पैरी के 21 गेंद में नाबाद 34 रन की मदद से रविवार को यहां दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में भारत को छह विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबरी पर ला दी। भारतीय आल राउंडर दीप्ति शर्मा का प्रदर्शन भी टीम के काम नहीं आ सका जिन्होंने पहले 31 रन की पारी खेली और फिर 22 रन देकर दो विकेट झटके। डीवाई पाटिल स्टेडियम में बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद भारतीय बल्लेबाज शुरूआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल सकीं जिससे मेजबान टीम आठ विकेट पर 130 रन ही बना सकी। आस्ट्रेलिया ने यह लक्ष्य 19 ओवर में चार विकेट पर 133 रन बनाकर हासिल कर लिया।

वापसी में महज एक टूर्नामेंट में खेलने के बाद लिया फैसला

राफेल नडाल चोट के कारण आस्ट्रेलियाई ओपन से हटे

एजेंसी ▶▶ मेलबर्न

राफेल नडाल ने चोट के कारण आस्ट्रेलियाई ओपन से हटने का फैसला किया जबकि उन्होंने 12 महीने तक खेल से बाहर रहने के बाद वापसी में केवल एक ही टूर्नामेंट खेला था। नडाल ने कहा कि उन्हें अपने सर्जरी हुए कूल्हे की चिंता है क्योंकि शुक्रवार को ब्रिसबेन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल मुकाबले के तीसरे सेट में उन्हें 'मेडिकल टाइम आउट' लेना पड़ा था जिसमें वह जोर्डन थाम्पसन से हार गए थे।

इस 22 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता ने कहा था कि उन्हें शुरू में 'टेंडन मुद्दे' के बजाय यह मांसपेशियों में खिंचाव की समस्या लगी थी। पिछले साल इसी दौरान उन्हें 'टेंडन' की समस्या से काफी दर्द झेलना पड़ा था। लेकिन उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि मेलबर्न से आने के बाद हुए स्कैन में पता चला है कि उनकी मांसपेशी में एक छोटा सा घाव है और इसके उपचार के लिए वह वापस स्पेन जा रहे हैं। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, 'इस समय मैं उच्चतम स्तर के पांच सेट के मैच में हिस्सा लेने के लिए तैयार नहीं हूं। मैंने इस वापसी के लिए पूरे साल बहुत कड़ी मेहनत की थी और जैसा कि मैंने हमेशा जिक्र किया है कि मेरा लक्ष्य तीन महीनों में अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर पहुंचने का है। मेरे लिए दुखद खबर है कि मैं मेलबर्न में दर्शकों के सामने नहीं खेल पाऊंगा, यह बहुत बुरी खबर भी नहीं है क्योंकि हम सत्र के लिए सकारात्मक बने रहेंगे।'

दो मैच जीते एक हारे

नडाल ने कहा, 'मैं वास्तव में यहां आस्ट्रेलिया में खेलना चाहता था और मुझे कुछ मैच खेलने का मौका मिला जिन्होंने मुझे काफी खुश और सकारात्मक बनाया।' नडाल ने अपने पहले दो प्रतिस्पर्धी मैच जीते जिसमें उन्होंने डोमिनिक थिएम (पूर्व नंबर तीन खिलाड़ी) और वाइल्डकार्ड से प्रवेश करने वाले आस्ट्रेलियाई जेसन कुबलर को हराया। क्वार्टर फाइनल में उन्हें दूसरे सेट में तीन मैच प्वाइंट मिले लेकिन नडाल तीनों गंवा बैठे। आस्ट्रेलियाई ओपन 14 जनवरी से मेलबर्न पार्क में शुरू होगा।

रामायण

जिन्होंने तोड़ डाला है मानव जाति को

वे बंदूक चलाकर संपत्ति लूटते थे। यह शब्द चलाकार संपत्ति, संस्कृत और मानव के हृदय की भावनाओं को लूटते हैं। समाज में लूट चलती है। उसे भी रोटी देने वाले निकलते हैं। डाकूओं को भी गुप्त रूप से रसोई पहुंचाने वाले लोग मिलते हैं। यह जन्म ही ऐसा है। आप कुछ नया कार्य करें तो लोग मिल जाएंगे। नया करना होता तो उसी मार्ग पर अविश्रांत चलते जा रहे हैं पर जहां पर देखो वहां आज पंथवाद चल पड़ा है। इन पंथवाद वालों ने मानव जाति को तोड़ डाला है। आज नर्कवाद का जोर है। बुद्धिमान का बोलबाला है। पर मुझे कहने दो कि भक्ति में बुद्धि की अपेक्षा शुद्धि की जरूरत है। भक्ति में बुद्धि को भूल जाओ। बुद्धि आपको हैरान कर देगी। लक्ष्मण जी बोले, गुहराज। जब जीवन में अपने आप तक छूट जाए जब जीव भजन में जकड़ जाए तब सहज रूप से सब छूटने लगता है। तब यह समझना कि जीवन की जागृति हो गई। बाकी सब तो गलत है। गुह। मोह जो जड़ है, केवल राम ही सत्य है। केवल ब्रह्म ही सत्य है। शायद गुहराज यह माने तो फिर यह सब आना और जाना है? इसलिए लक्ष्मण जी ने आगे कहा, यह सब तो भ्रांति है। ब्रह्म ही सत्य है, जगत झूठा है। पर वह तो उसकी भूमिका पर पहुंच कर विचार किया जा सकता है।

मोरारी बापू जी

कच्ची भूमिका वह नहीं कहलाती कि सब झूठा है वह तो उस स्तर पर पहुंच कर कहा जा सकता है। एक व्यक्ति बैठा-बैठा जेब में से कुछ न कुछ निकालकर फेंकता था। एक व्यक्ति वहां से जा रहा था उसने पूछा, क्या फेंक रहे हो? वह बोला बंदरों को चने खिला रहा हूं। तो एक भी बंदर दिखाई नहीं दे रहा। वह व्यक्ति बोला, मेरे पास चने भी कहां हैं। तुलसी जी का समन्वयवाद है वे जब किसी वस्तु का खंडन करते हैं तो उसी समय हल भी कर देंगे। गुह कहते हैं कि आपने सबको मोह का जड़ कहा तो फिर परमार्थ कौन-सा है? अत: तुरंत ही परमार्थ की व्याख्या कर डाली।

सखा परम परमारथ एहु।
मन क्रम वचन रामपद नेहु।

मन, वचन, कर्म से राम के चरणों में प्रेम करना ही परमार्थ है। इसके सिवा और कोई परमार्थ नहीं है। शायद किसी को यह लगे कि हमारे पास अनुकूलता, साधन संपत्ति नहीं है तो परमार्थ किस तरह करे? केवल पैसे से परमार्थ नहीं होता। तुलसी जी ने इसकी व्याख्या बहुत सुंदर की है। मन, वचन और कर्म से राम के चरणों में प्रीत बांधना दुनिया का सर्वोत्तम परमार्थ है। इसका अर्थ यह नहीं कि किसी और साधन से परमार्थ न करें। हमारे पास जो हो उससे परमार्थ अवश्य करना चाहिए। पर शायद कोई साधनहीन हो तो उसे भी निराश नहीं होना चाहिए। लक्ष्मण जी बोले, गुहराज अब मैं तुझसे क्या छिपाऊं? तुझसे परदा हटाकर कहता हूं-

राम ब्रह्म परामारथ रूपा

जो सो रहे हैं वह स्वयं ब्रह्म है। सीता के पति और मेरे बड़े भाई हैं। इतना ही नहीं। यह तो वेद जिसे नेति-नेति कहते हैं। शिव जिसका भजन करते हैं वह स्वयं परब्रह्म है। परदा खोलकर ब्रम के तत्त्व का निरूपण लक्ष्मण जी ने गूहराज को कराया। इस तरह ब्रह्म की बातें करते-करते सबह हो गई। गुहराज जाग गए। सच्चे अर्थ में जो जगा सके वह स्वयं जागा हुआ होता है। लक्ष्मण जी जागरण का व्रत लेकर बैठे हैं। उन्होंने गुह को जगाया। सुबह सब इकट्ठे हुए। श्रीराम ने बरगद के पेड़ का दूध मंगाया। गुह के भील बरगद के पेड़ का दूध लेकर आए।

कब क्या हो जाये कोई नहीं जानता?

कई लोग पहले से ही मन बना लेते हैं कि जाएंगे ही आखिरी दिन में। मुझे बड़ी हैरत होती है। मैं कहती हूं, तुम क्या जानते थे कि तुम सत्संग के आखिरी दिन तक जिंदा रहोगे? मौत ने किसी को ऐसा बांड लिखकर दिया नहीं है। वाणी में आया:

बुरे काम को उठ खलोया, नाम की बेला पै पै सोया।

अशुभ कर्म करने को कमर कसकर तैयार, हर घड़ी लड़ाई-झगड़े को हर वक्त तैयार, राग-द्वेष को हर वक्त तैयार और कोई शुभ काम हो तो, अच्छा कोई नहीं, कर लेंगे। मेरे को चीन की बौद्ध कथा याद आ रही है। एक झेन फकीर के पास एक नौजवान खोज करता-करता गया। शिष्टाचार या मर्यादा यह थी कि जब भी आप किसी गुरु के पास जाएं तो उनकी तीन बार परिक्रमा करें और फिर उनको प्रणाम करने के बाद ही कुछ प्रश्न करें। शिष्टाचार ऐसा था। अभी भी जापानी लोग जब एक-दूसरे को मिलते हैं, जैसे भारतीय...। वैसे तो भारतीय भूलते जा रहे हैं, हाथ जोड़कर बुलाना। मैंने कहा था कल शेक हैंड, वो पहलवानों वाला हाथ मिलाते हैं, वो मित्रता वाले हाथ नहीं जोड़ते, वो मित्रता वाला गले से गले नहीं मिलते। वक्त बिताने के लिए मैग्जीन पढ़ता है। वक्त अच्छा बीत जाए, सिनेमाहाल में जाता है। वक्त अच्छा बीत जाए इसलिए गपबाजी में बैठा रहता है। वक्त अच्छा बिता सकूं, इसलिए फिर फिजूल की चर्चाओं और बहसबाजियों में लगा रहता है, क्योंकि इसको यही लगता है न कि समय बहुत है, बिताएं कैसे? जबकि सच यह है कि समय बहुत थोड़ा है, यत्न करो कि इस थोड़े ही समय में लाभ कैसे उठाओ। तुम भूल रहे हो इस बात को कि याद है तुमको यह बात? आदमी कैसा बेहोश! कहते, किस तरह से समय बिता रहे हैं, टाइम पास कर रहे हैं? सच तो यह है कि यह समय पास करने की चीज, बिताने की चीज नहीं है। जीवन का हर पल जीने के लिए है। जीवन का हर पल होश से जागने के लिए है। जीवन का हर पल ईश्वर की खोज करने के लिए और जीवन का हर पल इस भरे-पूरे संसार के साथ भरे-पूरे ढंग से प्यार करने के लिए है। तुम लोगों ने चुना है प्यार करने को, पर चुना है किसको? जड़ चीजों को। पैसों को, जेवर को, मकानों को। मरता है आदमी इनके लिए। एक घर में रह रहा है, इतने से चैन नहीं। एक घर और बनाएगा, ब्लैक मनी का उपयोग करेगा, बेनामी कहीं जायदाद खरीदकर छोड़ देगा। रहेगा भाई, तू कितने कमरों में? एक। सोएगा, तू पूरे कमरे में कि एक बिस्तर पर? और एक बिस्तर पर भी पूरे नहीं, या दाएं सोओगे या बाएं सोओगे या बीच में सोओगे। पलंग पर भी पूरे कहां सो पाते हो। मैं यह नहीं कह रही कि जीने के लिए मकान न बनाओ। मैं यह नहीं कह रही कि जीने के लिए धन न कमाओ।

गुरु मां

घर में टूटा शीशा रखने के नुकसान

वास्तु में कई ऐसी बातों का जिक्र किया जाता है जिससे हमारे जीवन में अलग तरह के प्रभाव पड़ सकते हैं। अगर हम अपने आस-पास रखी चीजों को सही तरीके से रखते हैं तो आपके घर में समृद्धि बनी रहती है और कई समस्याएं दूर होती हैं। ऐसे ही वास्तु आपको घर से कुछ चीजों को दूर हटाने की सलाह भी देता है और ऐसी मान्यता है कि यदि आप इन खराब चीजों को घर में रखते हैं तो कई तरह के नुकसान भी हो सकते हैं। ऐसी ही चीजों में से एक है घर में रखा टूटा हुआ शीशा।

अगर आपके घर में कोई शीशा जैसे आइना या खिड़की, दरवाजे का शीशा या शीशे के कोई भी बर्तन टूट जाते हैं तो वास्तु उन्हें तुरंत घर से बाहर निकाल देने की सलाह देता है। मान्यता है कि यदि आप इस तरह का कोई भी शीशा घर में रखती हैं तो आपकी प्रगति तो रुक ही जाती है और आपको इसके कई नुकसान हो सकते हैं जैसे इसकी वजह से आपको नौकरी में समस्याएं हो सकती हैं, आपकी सेहत खराब हो सकती है या फिर आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। आइए वास्तु एक्सपर्ट डॉ मधु कोटिया से जानें कि आपको घर में टूटा शीशा क्यों नहीं रखना चाहिए और इसके क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं।

घर में अगर शीशा टूट जाए तो उसका क्या करें

यदि आपके घर में किसी खिड़की या दरवाजे का शीशा टूट जाए या उसमें दरार आ जाए तो आपको इसे तुरंत बदल देना चाहिए। यदि आपका आइना टूट जाए तो इसे तुरंत हटा दें और घर के बाहर किसी ऐसे स्थान पर फेंक दें जहां इससे किसी को नुकसान न पहुंचे। ज्योतिष में ऐसा भी माना होता है कि यदि आपके घर में कोई शीशा अचानक टूट जाए तो ये किसी भावी घटना का संकेत भी हो सकता है और आपको ऐसे में सतर्क रहने की जरूरत है। यह इस बात का संकेत भी हो सकता है कि भविष्य में आपको कोई बड़ा नुकसान हो सकता है।

आखिर क्यों घर में कांच का टूटना माना जाता है अपशगुन

वास्तु और ज्योतिष में ऐसा माना जाता है कि कांच का टूटना तब तक अपशगुन माना जाता है जब तक कि आप इसे घर से बाहर नहीं कर देते हैं। दरअसल ये कई तरह से आपको नुकसान पहुंचा सकता है। इस तरह के शीशे से नकारात्मक ऊर्जा निकलती है जो आपके पूरे घर में फ़ैल सकती है और घर के लोगों पर दुष्प्रभाव डाल सकती है।

इस नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से परिवार के लोगों को मानसिक तनाव हो सकता है और इसका असर आपकी सेहत पर भी पड़ सकता है। इसलिए कांच का टूटना अच्छा नहीं माना जाता है।

वास्तु के अनुसार घर में टूटा हुआ शीशा रखने से आ सकता है दुर्भाग्य

वास्तु में ऐसा कहा जाता है कि आपको घर में कभी भी टूटा हुआ शीशा नहीं रखना चाहिए। ऐसा आपने घर के बड़े-बुजुर्गों को कहते हुए अक्सर सुना होगा कि टूटे हुए शीशे और टूटी हुई मूर्तियों को घर से तुरंत हटा देना चाहिए।

वास्तु की मानें तो टूटा हुआ या खंडित दर्पण रखने से घर में दुर्भाग्य आ सकता है और यह घर में वास्तु दोष का एक कारण भी बनता है।

वैसे घर में कुछ विशेष स्थानों पर दर्पण लगाना शुभ होता है, लेकिन यदि किसी वजह से यह टूट जाए तो इसे तुरंत बदल देना ही ठीक है।

ऐसा न करने से इसके अशुभ परिणाम होने लगते हैं और आपको कई तरह के तनावों से गुजरना पड़ सकता है। ऐसे दर्पण को घर में रखने से सकारात्मक कंपन दूर हो जाता है और नकारात्मक कंपन बढ़ जाता है क्योंकि टूटे हुए दर्पण पर पड़ने वाली रोशनी नकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है जिसका सीधा असर घर के सदस्यों पर पड़ता है।

सारी सृष्टि का स्वामी एक है

संतमत सिद्धांत

महान पवित्र पुस्तक 'गुरुमत सिद्धांत 84 विषयों वाला' के बाद 'सन्तमत सिद्धांत' श्री राधा स्वामी सत्संग ब्यास जी की ओर से इस पृथ्वी पर हर इंसान के लिए ऐसी अनूठी कृति है कि जीवन सुखी रह सकता है। महाराज सावन सिंह जी रचित 'सन्तमत सिद्धांत' के समर्पण में चरन सिंह जी महाराज ने लिखा है कि गुरुवाणी के गूढ़ विषयों को आसानी से समझना और पालन करने तक की विवेचना 'सन्तमत सिद्धांत' में की गई है। महाराज सावन सिंह जी ने 'सन्तमत सिद्धांत' में जो कुछ मानवता के लिए समर्पित किया, इस महान संकलन को हम अपने पाठक प्रेमियों की भारी मांग पर अक्षरशः प्रस्तुत कर रहे हैं ताकि वे व्यावहारिक जीवन में एक-दूसरे से प्यार कर सकें, परोपकार कर सकें, जोकि सन्तमत सिद्धांत का वास्तविक उद्देश्य है। - संपादक

गुरु नानक साहिब जपुजी की दूसरी पौड़ी में समझाते हैं कि जगत की उत्पत्ति, जीवों की उत्पत्ति, रचना के समस्त आकारों की उत्पत्ति, आवागमन के बंधन से बंधे रहने की मजबूरी और प्रभु से मिलाप की बड़ाई आदि सब कुछ प्रभु के हुक्म के अनुसार हो रहा है। संत नामदेव जी कहते हैं, 'सभो हुकमु हुकमु है आपे' (आदि ग्रंथ, पृ. 1351)। वह प्रभु हुक्म रूप है और जो कुछ हो रहा है, उसके हुक्म द्वारा हो रहा है। गुरु नानक देव जी कहते हैं :

(आदि ग्रंथ, पृ. 2)

यानी अपनी इच्छा द्वारा बनाए गए जगत को वह प्रभु विधिपूर्वक और ठीक ढंग से चला रहा है। उस प्रभु ने जो भौतिक, नैतिक और आध्यात्मिक नियम बनाए हैं, वे सब सारे संसार पर समान रूप से लागू हैं। गुरु अमरदास जी कहते हैं :

एको अमरु एका पतिसाही जुगु जुगु सिरि कार बणाई हे ॥(आदि ग्रंथ, पृ. 1046)

गुरु नानक साहिब कहते हैं :

चहु दिसि हुकमु वरतै प्रभ तेरा चहु दिसि नाम पतालं॥
सभ महि सबदु वरतै प्रभ साचा करमि मिलै बैआलं॥

(आदि ग्रंथ, पृ. 1275)

सारी सृष्टि का स्वामी वह एक प्रभु है और सृष्टि में व्यापक उसका नियम भी एक है। यह नियम या विधान अनादि और परिवर्तनरहित है। हम देखते हैं कि समस्त रचना में पानी ऊपर से नीचे की तरफ बहता है। सारी रचना में जन्म, विकास और विनाश (मृत्यु) का नियम समान रूप से लागू है। ये भौतिक नियम हैं। सारे संसार में कर्म और फल का नियम लागू है। यह नैतिक नियम है। वह प्रभु सदैव अंतर में मिलता है, वह नाम की कमाई द्वारा मिलता है और नाम की कमाई की युक्ति संत-सतगुरु से प्राप्त होती है। मनुष्य जन्म का मिलना, सतगुरु का मिलाप और नाम की प्राप्ति सब कुछ प्रभु की दया पर निर्भर है। ये पारमार्थिक या आध्यात्मिक नियम हैं। ये सब नियम देश-काल से ऊपर हैं और सारे संसार के लिए समान हैं। जीव के लिए प्रभु के हुक्म का एक महत्वपूर्ण पहलू सृष्टि में व्यापक कर्म और फल का नियम है। यह नियम आगे आवागमन के सिद्धांत से बंधा हुआ है। जीव को जो भी सुख-दुख मिलते हैं, पूर्व में किए हुए कर्मों के अनुसार मिलते हैं और किए गए कर्मों का फल भोगने के लिए जीव अनेक योनियों में भटकता है। चाहे सुख-दुख, मान-अपमान आदि सब कुछ किए गए कर्मों के अनुसार मिलते हैं, लेकिन कर्म और फल का नियम प्रभु की इच्छा से बना है, इसलिए संत-महात्मा कहीं यह कहते हैं कि जो कुछ मिलता है, कर्मों के अनुसार मिलता है और कहीं यह कहते हैं कि जो कुछ भी मिलता है प्रभु के हुक्म से मिलता है। यह एक ही बात को दो तरह से कहने का ढंग है और इसमें कोई आत्मविरोध नहीं है। प्रभु के हुक्म द्वारा प्रारब्ध लिखे जाने का यह अर्थ नहीं है कि प्रभु मनमर्जी द्वारा लोगों की तकदीर लिखता है। कर्मों के अनुसार तकदीर बनाने का नियम प्रभु का बनाया हुआ है, लेकिन तकदीर का लेख किए गए कर्मों के अनुसार लिखा जाता है, इसलिए वास्तव में अपनी तकदीर के लिए जीव स्वयं ही जिम्मेदार है। कर्म और फल के नियम का दूसरा पहलू यह है कि हर कर्म का अलग से फल भोगना पड़ता है। पुण्य कर्म पाप कर्मों का नाश नहीं कर सकते। पुण्य पुण्य कर्मों के खाते में और पाप पाप कर्मों के खाते में जमा हो जाते हैं।

कपूर का रसोई में भी बहुत महत्व है

कपूर का इस्तेमाल पूजा-पाठ में विशेष रूप से किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि घर में कपूर जलाने से खुशहाली बनी रहती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। कपूर एक ऐसी सामग्री है जिसे सकारात्मकता से जोड़ा जाता है और यह घर की किसी भी बुरी शक्ति को दूर करने में मदद करता है।

कपूर के साथ लौंग जलाएं

घर में रात के समय यदि आप कपूर और लौंग एक साथ जलाती हैं तो यह घर के आस-पास की हवा को शुद्ध करने में मदद करता है। यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में मदद करता है और कपूर की सुगंध मन और शरीर पर शांत प्रभाव डालती है। ऐसा माना जाता है कि कपूर वास्तु दोषों को दूर करने के लिए एक शुभ सामग्री है।

कपूर और लौंग को एक साथ जलाने से आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश तो होता ही है और यदि आपका पैसा किसी गलत जगह पर फंसा हुआ है तो इसे बाहर निकालने में मदद मिलती है।

अगर आपका धन बिना वजह खर्च होता है और आपको इसका कारण भी पता नहीं लग पा रहा है तो आप एक बर्तन में (किस बर्तन में जलाना चाहिए लौंग और कपूर) शाम के समय कपूर के साथ 5 लौंग जलाएं और कपूर की आरती करें। इससे आपके जीवन की समस्याएं दूर होती हैं।

कपूर की सुगंध आस-पास की हवा को शुद्ध करती है जिससे मन, शरीर और आत्मा को शांति मिलती है।

अगर आपके घर में किसी भी तरह के वास्तु दोष हैं तो आप कपूर के साथ 11 लौंग जलाएं, इससे दोषों से मुक्ति मिलती है और घर में खुशहाली आती है।

कपूर के साथ तेजपत्ता मिलाकर जलाएं

वास्तु की मानें तो यदि आप कपूर के साथ तेज पत्ते मिलाकर जलाते हैं तो यह बहुत शुभ वातावरण बनाने में मदद करता है। यदि आप किसी समस्या को भगाना चाहते हैं तो तेज में उस समस्या को लिखें और कपूर के साथ उसे जला दें, इससे समस्याओं से मुक्ति मिल सकती है।

यदि आप कपूर के साथ तेज पत्ता जलाती हैं तो ये हवा में कई बैक्टीरिया की ख़त्म करके हवा को शुद्ध करता है और वातावरण को भी शुद्ध बनाए रखने में मदद करता है।

यदि आपकी शादी में समस्याएं आ रही हैं तो 5 तेज पत्ते कपूर के साथ जलाएं और अपनी मनोकामनाएं रखें। इससे जल्द ही आपकी मनोकामनाओं की पूर्ति हो सकती है।

कपूर अपने शुद्धिकरण गुणों के लिए जाना जाता है और इसका उपयोग विभिन्न आध्यात्मिक और सफाई अनुष्ठानों के लिए किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि कपूर जलाने से आसपास की ऊर्जा शुद्ध होती है, नकारात्मक ऊर्जा दूर होते हैं और इसे तेज पत्ते के साथ जलाने से अधिक सौहार्दपूर्ण वातावरण बनता है।

तेजपत्ते को भी शुद्धिकारक की सामग्री माना जाता है, कपूर और तेज पत्ते का यह संयोजन वास्तु में ऊर्जा शुद्धि के लिए एक शक्तिशाली तरीका माना जाता है।

कपूर और तेजपत्ता जलाना घर में आध्यात्मिक ऊर्जा को बढ़ाने के एक तरीके के रूप में देखा जाता है। ऐसा माना जाता है कि अनुष्ठान उच्च ऊर्जाओं के साथ संबंध बनाता है और रहने की जगह में आध्यात्मिक आशीर्वाद आमंत्रित करता है।

कपूर के शांत करने वाले गुण, तेज पत्ते के सुखदायक गुणों के साथ मिलकर, तनाव से राहत दिलाते हैं और इससे दिमाग को शांत करने में मदद मिलती है।

बाइबल की कहानियां

जब जीसस ने 5000 लोगों को खाना खिलाया

जैसे-जैसे जीसस आगे बढ़ते जाते उनके अनुयाइयों कि संख्या भी बढ़ती जाती। वे जगह-जगह घूमते और लोगो को ईश्वर का सन्देश सुनाते। एक दिन जब लोगो ने सुना कि जीसस और उनके शिष्य एक जगह पर आने वाले है। तो वें सुब उनके आने से पहले ही उस जगह पर इक्खट्ठा होने लगे। जीसस जब वहां पहुंचे तो उन्होंने बहुत सारे लोगो को देखा जो उनसे और चमत्कार देखना और ईश्वर के बारे में जानना चाहते थे। लेकिन जीसस इतनी बड़ी भीड़ को सम्बोधित नहीं करना चाहते थे। क्योंकि वे जानते थे इतनी बड़ी भीड़ को ईश्वर के राज्य के बारे में बता पाना मुश्किल है। लेकिन, इतनी बड़ी भीड़ को देखकर उन्हें यह समझ आ गया कि ये भीड़ भेड़ों के झुंड कि तरह है जिसका कोई मालिक नहीं है। ऐसे में वे सुब भटक जाएंगे। इसलिए उन्होंने वहां रुकने का सोचा। सबने जीसस के कुछ कहने का इंतजार किया। समय निकलता जा रहा था और लोगो को भूख लगने लगा था। जीसस के एक शिष्य ने उनसे आकर कहा, आप इन सबको वापस भेज दीजिये हम इनके कहने का बंदोबस्त नहीं कर सकते ये सुब भूखे है। उन शिष्यों को सबके खाने कि चिंता सता रही थी। लेकिन जीसस जानते थे कि उनकी चिंता व्यर्थ है। ईश्वर सबसे प्रेम करता है वह सबके खाने के लिए इंतेज़ाम करेगा। ऐसे में एक छोटा बच्चा आया उसेक पास 5 रोटियां और 2 मछलियां थी। उसने वह 5 रोटियां और 2 मछलियां जीसस के शिष्यों को दे दी। जीसस ने अपने शिष्यों को उन 5 रोटियां और 2 मछलियों को सबमे बांटने को कहा। उनके सारे शिष्य हैरान हो गए कि ऐसे कैसे हो सकता है? हम इन 5 रोटियां और 2 मछलियों को ईंटे सारें लोगों में कैसे बाँट सकते है? लेकिन उन्होंने बांटना शुरू किया। वे खाना बांटते रह गए लेकिन वह खतम नहीं हो रहा था। और इस तरह से उन्होंने 5000 लोगो को खाना खिलाया। यह चमत्कार जीसस के अन्य चमत्कारों से ज़्यादा प्रचलित है।

क्यों जल्दी ही रंग बिखर जाते हैं

क्यों? क्योंकि सौन्दर्य और असौन्दर्य वस्तु में हम डालते हैं। वस्तु या व्यक्ति में हम अपनी कल्पनाओं के रंग भरते हैं। क्योंकि हमारी कल्पनाएं अत्यंत अस्थिर हैं इसलिए शीघ्र ही रंग भी बिखरने लगते हैं। जिस व्यक्ति में हमें सौन्दर्य दिखाई पड़ा था निकट आते ही वह सौन्दर्य विलीन होने लगता है। जितनी निकटता बढ़ती है, सौन्दर्य खोते-खोते पूरी तरह खो जाता है। बात यहीं समाप्त नहीं होती है। केवल सौन्दर्य ही विदा नहीं होता अपितु असौन्दर्य जाग जाता है जो हमें कष्ट देता है। प्रिय के पीछे ही अप्रिय छिपा है यह शाशवत नियम है इस सृष्टि का। पर प्रेयार्थी इस नियम से अभिज्ञ है। जिस व्यक्ति या वस्तु में वह प्रियता को देख लेता है, वह कल्पना नहीं कर सकता है कि वह वस्तु या यक्ति अप्रिय भी हो सकता है। पर प्रिय के पीछे अप्रिय छिपा ही है। जब अप्रिय प्रगट होता है तो प्रेयार्थी स्वयं को ठगा हुआ अनुभव करता है। परिणाम पर उसे आंसू मिलते हैं। इसलिए मैंने कहा कि प्रेयार्थी यात्रा के प्रारंभ पर प्रसन्न और परिणाम पर आंसू पाता है। इसके विपरीत श्रेयार्थी जिस श्रेय पथ पर पग बढ़ता है वह प्रारंभ में कष्टकर प्रतीत होता है पर मंजिल पर पहुंचते-पहुंचते वह जीवन के श्रेष्ठतम को साध लेता है। श्रेय का अर्थ श्रेष्ठ। श्रेयार्थी वह है जो श्रेष्ठ की खोज में निकलता है। और श्रेष्ठ से श्रेष्ठ जो तत्त्व है वह है आत्मा, वह है परमात्मा, वह है मोक्ष। श्रेयार्थी को खोजता है। वह उस तत्त्व को खोजता है जो अमृत है। जो प्रकाश पुंज है। जो आनंद है और जो शाश्वत है। अमृत की खोज में यह नियम है कि उस तक पहुंचने के लिए मृत्यु के सागर को तैरना पड़ता है। प्रकाश की साधना के लिए अंधेरी वादियों से होकर गुजरना पड़ता है। इसीलिए मैंने कहा, श्रेय का मार्ग प्रारंभ में कष्टकर है परंतु परिणाम पर परम सुखद है। श्रेय और प्रेय दोनों पथ पर हमारे सामने हैं। जिस पथ पर हम जाना चाहें जा सकते हैं। चुनाव हमारे हाथ में है। किसी पथ पर कोई अन्य हमें जबरदस्ती नहीं ले जा सकता है, क्योंकि चुनने की स्वतंत्रता हमें उपलब्ध है। हमारे विवेक पर निर्भर करता है कि हम किसे चुनते हैं। पर यह दीवार पर लिखा सच है कि प्रेय भटकाव का पथ है और श्रेय परमानंद का पथ है। आज तक हम संसार में प्रेय के कारण ही भटकते रहे हैं। श्रेय के पथ पर जैसे ही हम बढ़ेंगे, हमारी यात्रारम्भ हो जायेगी। उसी यात्रा को बुद्धपुरुषों ने तीर्थयात्रा कहा है, अमृतयात्रा कहा है। प्रेम के तीन तह हैं, शरीर का प्रेम, मन का प्रेम और आत्मा का प्रेम। शरीर के तल पर निर्मल होने वाले प्रेम का निम्नतम रूप है। शरीर के तल पर प्रगट होने वाला प्रेम, प्रेम का क्षुद्रतम अनुभव है। शरीर के तल पर जो प्रेम प्रगट होता है, उसे मैं प्रेम इसलिए कह रहा हूं कि यह हमारी भाषा की विवशता है।

मुनि मणिभद्र

पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार का ईनामिया अभियुक्त गिरफ्तार

कब्जे से दो तमंचा सहित चोरी की बाइक एवं मोबाइल सहित नगदी रुपया बरामद

प्रखर जौनपुर। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अजय पाल शर्मा द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए गए अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन में एवं क्षेत्राधिकार केराकत गौरव शर्मा की कुशल परर्वेक्षण में थाना जलालपुर पुलिस इंस्पैथक्टर राजेश कुमार यादव मय हमराहीयो के साथ उपनिरीक्षक सत्येंद्र भाई पटेल उप निरीक्षक रामनेवास उप निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह हेड कांस्टेबल भानु प्रताप सिंह लव कुमार सिंह विपुल सिंह मनोज यादव संजय यादव नीरज यादव दीपक मौर्य श्याम प्रकाश वर्मा कर्मवीर पाल के द्वारा 25 हजार का इनामीया एवं गैंगस्टर ऐक्ट का वांछित अभियुक्त के साथ सह अभियुक्त को पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया । पुलिस टीम को रात्रि गश्त के दौरान जरिए मुखबिर सूचना मिली कि गैंगस्टर का वांछित अभियुक्त तथा सह अभियुक्त सिंधोरा जनपद वाराणसी से भाऊपुर होते हुए त्रिलोचन बाजार की तरफ काले रंग की बाइक के साथ किसी घटना कारित करने के उद्देश्य से त्रिलोचन बाजार की तरफ आ रहे है । मुखबिर की सूचना पर विश्वास करते हुए पुलिस टीम द्वारा ओइना नहर पुलिया के पास धेराबंदी कर संदिग्ध वाहनों व संदिग्ध ब्यक्तियो की चेकिंग कर रहे थे कि थोड़ी देर बाद जनपद वाराणसी के सिंधोरा की तरफ से सड़क मार्ग से एक बाइक की हेड लाइट की रोशनी दिखाई पड़ी। नजदीक आने पर पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो बाइक के पीछे बैठा व्यक्ति पुलिस को जान से मारने के उद्देश्य से तमंचे से फायर कर दिया । पुलिस की आत्म सुरक्षार्थ जवाबी फायरिंग में एक बदमाश को गोली लगी जिससे बदमाश घायल होकर गिर पड़ा तथा दूसरे बदमाश को पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ लिया। पकड़े गए बदमाशो की जामा तलाशी वह पूछताछ के दौरान अपना नाम संदीप यादव पुत्र अशोक यादव निवासी नेवादा थाना जलालपुर जौनपुर बताया तथा दूसरे अपराधी ने अपना नाम सुजीत कुमार यादव उर्फ संदीप यादव उर्फ गुर्जर पुत्र धर्मराज यादव निवासी तुल्लापुर थाना जलालपुर जौनपुर बताया उनके पास से एक अदद बाइक एच एफ डीलक्स दो अदद तमंचा 315 बोर 3 अदद जिंदा कारतूस एक अदद खोखा कारतूस 315 बोर 3 अदद एंड्राएड मोबाइल तथा 1010 रुपए नगद बरामद कर पुलिस घायल बदमाश को ईलाज हेतु अस्पताल भेज कर सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्रवाई में जुट गई है।

कुपोषण प्रबंधन पर प्रशिक्षण

प्रखर पिंडरा वाराणसी। क्राई (चाइल्ड राइट एंड यू) के आर्थिक सहयोग से जनमित्र न्यास व मानवाधिकार जन मिगरानी समिति के तत्वावधान में ग्रामीण स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति एवं मातृ समिति सदस्यों के साथ मातृ एवं शिशु स्वास्थय में सुधार के लिए सामुदायिक आधारित कुपोषण प्रबंधन के मुद्दे पर सोमवार को प्रशिक्षण का आयोजन ग्राम सभा थाना के पंचायत भवन में हुई। जिसमे कुपोषण प्रबंधन व कुपोषण को कैसे भगाया जाय उसपर चर्चा हुई। जिसमे मानवाधिकार जननिगरानी समिति से मंगला प्रसाद,विनोद कुमार, संजय राजभर, काउंसलर गीता मौर्या ग्राम प्रधान जय सिंह, पंचायत सहायक शांतसील कोविद, सीएचओ आयुषि उपाध्याय, आंगनवाड़ी कार्यकर्ती बिंदु देवी, सरिता मौर्या, कुसुम सेवी आशा माया गुप्ता, प्रीति देवी सहायिका शांती चौहान सहित मातृ समिति के सदस्यों की भागीदारी रही। जिसमे समिति के सदस्यों द्वारा ग्राम स्वास्थ्य योजना भी बनाया गया।

लखनऊ हार्ट प्री- स्कूल ने हेल्थ चेकअप व ब्लड डोनेशन कैंप का किया आयोजन

प्रखर लखनऊ। लखनऊ हार्ट प्रीझस्कूल ने एक हेल्थ चेकअप व ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन अपने विकास नगर स्थित कैंपस में कराया। इस कैम्प में हेल्थ अवेयरनेस के साथ साथ ब्लड डोनेशन, शुगर टेस्ट, बीपी टेस्ट, रूटीन हेल्थ चेकअप व आंखों की जांच निशुल्क कराया गया। यह कैम्प महावीर राजकुमार चैरिटेबल ट्रस्ट व बुद्धेश्वर विमला हॉस्पिटल लखनऊ के अलावा माय लुक ऑप्टिक्स के योगदान से कराया गया। इस कैम्प में लखनऊ हार्ट प्री स्कूल के डायरेक्टर डॉ आबिद खान, महावीर राजकुमार चैरिटेबल ट्रस्ट व बुद्धेश्वर विमला हॉस्पिटल लखनऊ की संयोजक प्राप्ति मिश्रा व मायलुक ऑप्टिक की संयोजक डॉ. ऐमन खान सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहे। सैकड़ों लोगों ने इस कैम्प में शिरकत कर इस कैम्प को सफल बनाया और इससे लाभान्वित हुए।

पीयू में देखा गया विकसित भारत संकल्प यात्रा का लाइव

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में सोमवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम को लाइव देखा गया। इस मौके पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के विभिन्न हिस्सों से जुड़े लोगों से उनको प्राप्त हो रही विकास योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार सबका साथ सबका विकास की सोच के साथ कार्य कर रही है। इस यात्रा पर मात्र 10 दिन में ही 10 करोड़ से अधिक लोग जुड़ चुके हैं। अरुणाचल प्रदेश के मुकुट रत्न, अंजाव से लेकर गुजरात के पश्चिमी तट पर देवभूमि द्वारका तक, लद्दाख की बर्फीली चोटियों पर चढ़ाई और अंडमान के फि रोजा तटों की शोभा बढ़ाने तक, विकसित भारत संकल्प यात्रा ने देश के सुदूरवर्ती इलाकों में समुदायों तक पहुंचकर सभी क्षेत्रों को गले लगाया है।

इस आंदोलन का उद्देश्य देश के प्रत्येक नागरिक को सशक्त बनाना और 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के करीब लाने का साहसिक संकल्प लेना है। इस मौके पर कुलपति प्रो वंदना सिंह, कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, अमृतलाल, प्रो. देवराज सिंह, डॉ. मिथिलेश सिंह, प्रमोद कुमार यादव, डॉ राजकुमार, डॉ मनोज मिश्र, डॉ. गिरधर मिश्र, डॉ. सुनील कुमार, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ अनु त्यागी, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ सुजीत कुमार चौरसिया, डॉ राहुल कुमार, डॉक्टर अंकित कुमार, आदि मौजूद रहे।

नेशनल यूनियन आफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक लखनऊ में सम्पन्न

राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा एनयूजे उत्तर प्रदेश कमेटी की हुई घोषणा, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डा० अरविंद सिंह को प्रदेश संरक्षक व प्रदीप कुमार सिंह को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष व प्रदेश संरक्षक डा० अरविंद सिंह

नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह

प्रखर लखनऊ। नेशनल यूनियन आफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) के राष्ट्रीय अध्यक्ष रास बिहारी ने रविवार को एस आर कालेज, बख्शी का तालाब, लखनऊ में आयोजित सगंठन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में दिल्ली सहित 23 राज्यों से आये प्रतिनिधियों के सम्बोधन में कहा कि पत्रकारिता का मूल सिद्धांत और उद्देश्य राष्ट्र-हित, समाज-हित और नागरिक अधिकारों का पक्षधर बनकर लोकतंत्र को सशक्त करना है।

यही उद्देश्य और सिद्धांत पत्रकारों का भी होना चाहिए। जम्मू-कश्मीर के मामले में देशविरोधी खबरों के प्रसारण में लिप्त पाए गए कथित न्यूज पोर्टल संचालकों पर हुई कार्रवाई का समर्थन होना चाहिए। विदेशी फंडिंग के सहारे देशविरोधी गतिविधियों को आगे बढ़ाने वाले न्यूज क्लिक मामले में भी केंद्र सरकार की कार्रवाई उचित है। देशविरोधी गतिविधि में शामिल लोगों की जांच हो, आरोपी बेनकाब किए जाएं। पत्रकारिता की आड़ लेकर देश और समाज का अहित करना गलत है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एमएलसी एवं एसआर ग्रुप के चेयरमैन पवन सिंह चौहान ने कहा कि पत्रकार जीवन भर समाज के विभिन्न वर्गों के कल्याण के लिए संघर्ष करते रहते हैं, उनके निजी जीवन में होने वाली उथल-पुथल को कोई महसूस नहीं करता है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष रास बिहारी ने उत्तर प्रदेश इकाई की घोषणा की। छह सदस्यों वाले संरक्षक मंडल में लखनऊ के प्रमोद गोस्वामी, सुरेन्द्र कुमार दुबे, अजय कुमार, के बक्स सिंह, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डा० अरविंद सिंह एवं मथुरा से कमलकांत उपमन्यु शामिल हैं। लखनऊ के वीरेन्द्र सक्सेना को अध्यक्ष, बरेली के निर्भय सक्सेना, फिरोजाबाद के द्विजेंद्र शर्मा, वाराणसी के प्रदीप कुमार सिंह, सीतापुर के हिमांशु सिंह, चंदौली के संतोष यादव एवं आगरा के विवेक जैन को उपाध्यक्ष बनाया गया है। प्रतापगढ़ के संतोष भगवन को महामंत्री, लखनऊ के अनुपम चौहान को कोषाध्यक्ष एवं लखनऊ के ही डॉ.अतुल मोहन सिंह को प्रदेश प्रवक्ता घोषित किया गया है।

मिजार्पुर के राकेश श्रीवास्तव, बदायूं के सचिन भारद्वाज, उन्नाव के अरुण अवस्थी, बाराबंकी के मजहर सलीम, रायबरेली के दुर्गेश मिश्रा, महोबा के केजी सिंह एवं प्रयागराज के कमल श्रीवास्तव को मंत्री/सचिव का दायित्व मिला है। इसके अतिरिक्त कार्यकारिणी सदस्यों में फरुर्खाबाद के प्रदीप गोस्वामी, सुल्तानपुर के मनोज कुमार, लखनऊ के किशन सेठ, अरुण शर्मा टीटू एवं एस.वी. सिंह उजागर एवं कासगंज के विक्रम पाण्डेय शामिल हैं।

मगई नदी में डूबने से 13 वर्षीय किशोरी की मौत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मुहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र के रघुवरगंज उर्फ बिशनपुरा गांव निवासी कुमारी ज्योति उम्र लगभग (13) वर्ष पुत्री बबलू साहब गुप्ता की मगई नदी में डूबने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक कुमारी ज्योति 48 घंटा पहले से घर से लापता थी और वह दाहिने पैर से हल्का विकलांग भी थी ।उसके डूबने की सूचना पाकर उसके पिता बबलू ने पुलिस को सूचना दिया। सूचना पाकर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतिका के परिजनों का रो रो के बुरा हाल है। पूरे गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है।

भारतीय किसान यूनियन भानू गुट के कार्यकर्ताओं ने सांसद आवास का किया घेराव, हाईवे पर लगाया जाम, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

प्रखर संतकबीरनगर। भारतीय किसान यूनियन भानू गुट के कार्यकर्ता तथा समर्थको के द्वारा सांसद प्रवीण कुमार निषाद के आवास का घेराव किया गया। भारतीय किसान यूनियन भानू गुटके राष्ट्रीय महासचिव रणजीत सिंह का कहना है कि हमारे ग्राम सभा बयारा जो विकासखंड खलीलाबाद के अंतर्गत सरकारी नलकूप यादव टोला डिहवा पर लगा हुआ है और दूसरा नलकूप संसद के द्वारा पास हुआ है जो वही कुछ दूरी टोटल 500 मीटर पर लग रहा था । जो की उसी जगह मौके पर नलकूप का कुलाबा भी वही स्थान पर है , और बगल में सरयू कैनाल नहर भी है। इसके बावजूद मानक की अनदेखी करके नलकूप लगाया जा रहा है। परंतु किसानों के विरोध करने पर काम बंद किया गया है। परंतु मशीन वही खड़ी है। जबकि मोहनबरा के पास बधवा पर सरकारी नलकूप लगाना आती आवश्यक है। वहां पर हजारों बीघा फसल की सिंचाई हो जाएगी। भारतीय किसान यूनियन भानू गुटके और गांव के लोगों की मांग है कि उसे तत्काल मोहनबरा के पास बधवा में ट्यूबवेल लगाई जाए। बस इसी मांग को लेकर हम लोग सांसद जी से मिलने के लिए आए थे, मगर संसद के लोगों के द्वारा हम लोगों के साथ अभद्रता की गई जिससे हम लोगों ने नाराज होकर हाईवे को जाम किया। घटना की सूचना मिलते ही तत्काल कोतवाली पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। धरना दे रहे किसान यूनियन के समर्थकों तथा कार्यकताओं को सड़क से हटाया गया। आवागमन को संचालित किया गया तथा धरना दे रहे किसान यूनियन के समर्थन तथा कार्यकताओं के द्वारा कहा गया कि हम लोग ज्ञापन भी सौंपेंगे तो तत्काल एसडीएम सदर शैलेश कुमार दुबे को बुलाया गया और किसान यूनियन के महासचिव रणजीत सिंह के द्वारा ज्ञापन एसडीएम सदर को सौंपा गया। वॉइस पूरे प्रकरण पर एसडीएम सदर शैलेश कुमार दुबे ने बताया कि इनके द्वारा मामला संज्ञान में आया है और पूरे प्रकरण की जांच कर जो भी उचित होगा किसानों को सुविधा दी जाएगी। अब जांच करने के बाद हो पाता चलेगा की नलकूप कहा स्थापित करना जरूरी हैं वही पर निर्माण कराया जायेगा।

सनबीम कॉलेज फॉर वीमेन भगवानपुर में कैण्ट विधायक सौरभ श्रीवास्तव के हाथों छात्राओं को दिया गया निःशुल्क स्मार्टफोन

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। उत्तर प्रदेश सरकार की स्वामी विवेकानंद सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत सनबीम कॉलेज फॉर वीमेन, भगवानपुर के अध्यनरत छात्राओं के तकनीकी सशक्तिकरण हेतु निःशुल्क स्मार्टफोन वितरण समारोह का 8 जनवरी सोमवार को हुआ आयोजन ` कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैंट विधानसभा से विधायक सौरभ श्रीवास्तव थे जिन्होंने लाभार्थी छात्राओं को स्मार्टफोन का वितरण किया ` विधायक ने अपने सम्बोधन में कहा कि स्मार्टफोन आज के छात्र छात्राओं को नवीन परियोजनाओं एवं जानकारियों को जानने का सर्वाधिक सहज साधन है एवं एक ही स्थान पर विभिन्न प्रकार के उपयोगी जानकारियां मिल जाती हैं जो समय की बचत करते हुए पूरे विश्व से हमें जोड़ते हैं` सनबीम शैक्षणिक समूह की सहायक निर्देशिका प्रतिमा गुप्ता ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त करते हुए अपने सम्बोधन में कहा कि मोबाइल की अनंत दुनिया का असीमित विस्तार है जहां प्रत्येक जिज्ञासा का समाधान बड़ी ही सुगमता से प्राप्त हो सकता है यदि विद्यार्थी चाहे तो मोबाइल करियर काउंसलर भी काम कर सकता है। सनबीम कॉलेज फॉर वीमेन, भगवानपुर की बी.कॉम., बी.सी.ए.एवं बी.एससी तृतीया वर्ष की उत्तीर्ण छात्राओं को कुल 204 स्मार्टफोन का वितरण किया गया है `इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रशासिका कीर्ति श्रीवास्तव, प्राचार्या डॉ० विभा श्रीवास्तव, उप-प्राचार्य डॉ० सौरभ सेन, एवं समस्त शिक्षक उपस्थित रहे और लाभार्थी छात्राओं का मार्गदर्शन किआ एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की` स्मार्टफोन वितरण में महाविद्यालय के समस्त स्टाफ ने बढ़-चढ़कर अपनी भूमिका का किया निर्वहन।

संक्षिप्त खबरें

शिवाजी पार्क से निकली गई पूजित अक्षत कलश यात्रा में नगर के नागरिकों ने दिखाया अद्वितीय उत्साह

प्रखर वाराणसी। आवास विकास कॉलोनी पांडेयपुर स्थित शिवाजी पार्क से निकली गई पूजित अक्षत कलश यात्रा ने नगर को एक नई ऊर्जा के साथ भर दिया। इस यात्रा का समापन मुंशी प्रेमचंद स्मारक पर हुआ, जहां स्थानीय नागरिकों ने भारी संख्या में भाग लेकर अपना समर्थन दिखाया। यात्रा में शामिल होकर नगर के सभी राम भक्त और मातृ शक्ति ने दिखाया जबरजस्त उत्साह और उमंग, जिससे पूरे क्षेत्र में राम मयता का अद्वितीय वातावरण छाया। समृद्धि और सामूहिक एकता की भावना ने इस शोभायात्रा को और भी महत्वपूर्ण बना दिया। नगर के सम्मानित नागरिक में सुनील, रमेश, वरुण, अजय, शैलेंद्र, प्रमोद, अखिलेश, शिवकुमार एवं मातृशक्ति में अनीता, कुसुम, सुषमा, दुर्गेश नंदिनी और पुरे बस्ती के सभी स्वयंसेवक ने इस शोभायात्रा में सक्रिय भाग लिया, जिससे पूरा क्षेत्र राम मय हो गया।

भारत तिब्बत समन्वय संघ के जिलाध्यक्ष बने सुधाकर सिंह

प्रखर गाजीपुर। शहर स्थित एक होटल में भारत तिब्बत समन्वय संघ के राष्ट्रीय महामंत्री मानवेन्द्र सिंह मानव की मौजूदगी में जिला इकाई गठित की गयी। इसमें सर्वसहमति से पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गयी। इसमें जिलाध्यक्ष सुधाकर सिंह, महिला महिला मोर्चा के जिलाध्यक्ष डा. पूजा श्रीवास्तव, जिलाध्यक्ष युवा सौम्य प्रकाश बरनवाल व मुख्य संरक्षक के पद पर डा. डीपी सिंह को चुने गये। जिलाध्यक्ष सुधाकर सिंह ने कहा कि संगठन को ओर से जो जिम्मेदारी मिली है, उसे पूरी ईमानदारी के साथ ही निभाउंगा। राष्ट्रीय महामंत्री मानवेंद्र सिंह ने कहा कि भगवान भोलेनाथ शंकर के मूल स्थान मानसरोवर की मुक्ति के लिए सनातनी समाज को एकजुट होकर कार्य करना होगा। इस दौरान अनंत सिंह, प्रणव मिश्र, मनीष सिंह, राजेश्वर चौहान, विश्वास मणि, राजकुमार सिंह, प्रमोद उपाध्याय, अनिल कुमार मौजूद रहे।

नादान परिंदे साहित्य मंच ने कवि चपाचप बनारसी के स्मृति में 150 जरूरतमंद लोगो को दिया कंबल

प्रखर पूर्वाचल वाराणसी। नादान परिंदे साहित्य मंच ने कवि स्व0 अजीत श्रीवास्तव "चपाचप बनारसी" की स्मृति में 8 जनवरी सोमवार को लंका चौराहा स्थित शक्ति काम्प्लेक्स पर 150 जरूरतमंद को कंबल का वितरण किया गया कंबल पाकर लोग हुए खुश और दिया धन्यवाद ` इस अवसर पर नादान परिंदे साहित्य मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुबाष चंद्र , संरक्षक प्रकाश कुमार श्रीवास्तव "गणेश जी"कोषाध्यक्ष झरना मुखर्जी ,कवि चंद्रभाल सुकुमार (पूर्व जिला जज) कर्नल गोविंद सिंह , प्रो.अरविंद कुमार जोशी, राकेश चंद पाठक "महाकाल ", पवन कुमार सिंह , दिलीप कुमार सिंह ,कुशाल दादा , प्रियंवदा सिंह ,डॉ. कैलाश सिंह विकास , कवि इंद्रजीत तिवारी निर्भीक , प्रो.अरविंद जोशी ,काली शंकर उपाध्याय , सोनी जायसवाल , रेखा मिश्रा , सुनील सिंह ,सोनी लखमानी , वत्सला श्रीवास्तव , प्रियम्पदा सिंह ,नीरज गुप्ता, विनोद कुमार , भरत कुमार ,रविंद्र गुप्ता ,प्रेम शर्मा , संतोष सिंह सिद्ध नाथ शर्मा , प्रदीप कन्नौजिया ,विशाल चौरसिया,करिश्मा गुप्ता ,मुकेश पाण्डेय ,श्रीवास्तव आदि लोग उपस्थित थे।

निरिक्षण मे पहुंचे एसपी ने सादे वर्दी में बैठे दरोगा को किया लाइन हाजिर

प्रखर महराजगंज।जनपद महराजगंज के पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीणा ने शनिवार को थाने का औचक निरीक्षण करने के लिए आमजन के भेष में स्वयं फरियादी बनकर सादे वस्त्रों में थाना पुरंदरपुर पहुंचकर थाने के सामने खड़े लोगों के बीच अपनी शिकायत बताया। तत्पश्चात लोगों द्वारा एसपी को आम आदमी समझकर थाने पर मौजूद उप निरीक्षक राज रोशन कनौजिया जो सादे वर्दी में ही बैठे थे उनसे मिलवाया सादे वर्दी में ही उप निरीक्षक द्वारा फरियाद सुनी गई ।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अनुशासनहीनता व अनियमितता पाए जाने पर पर मौके पर ही एसपी महराजगंज द्वारा उप निरीक्षक राज रोशन कनौजिया को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर किया गया।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं